twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 19 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 243, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

बिहार को कांग्रेस-राजद से बचाने की जरूरत: मोदी

बिहार अब तेजी से विकास कर रहा है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मोतिहारी/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में एक कार्यक्रम के दौरान 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य अब तेजी से विकास कर रहा है और माओवाद समाप्ति की ओर है। वहीं केन्द्र और राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बिहार में ही रोजगार देने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस नारे को दोहराया, बनाएंगे नया बिहार फिर एक बार एनडीए सरकार।

राज्य के मुख्य विपक्षी दलों कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को पिछड़ा विरोधी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पार्टियों ने अपने परिवार के बाहर किसी को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, इन लोगों का अहंकार आज पूरा बिहार देख रहा है। हमें बिहार को इनकी बुरी नीयत से बचाकर रखना है। प्रधानमंत्री ने रेल, सड़क, मत्स्य पालन, आईटी और ग्रामीण विकास क्षेत्रों की परियोजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने चंपारण को ऐतिहासिक धरती बताते हुए कहा कि यह धरती अब बिहार के नए भविष्य को बनाने में प्रेरित करेगी। इस दौरान विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बिहार के तेजी से हो रहे विकास और माओवाद के खत्म हो रहे प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चंपारण, गया, औरंगाबाद, जमुई जैसे जिलों में कभी माओवाद का अंधकार था, अब वहां के नौजवान बड़े सपने देख रहे हैं। माओवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने बिहार के युवाओं को राज्य में ही रोजगार देने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि नीतीश सरकार ने पारदर्शिता के साथ लाखों युवाओं को नौकरी दी है। केंद्र सरकार भी इसमें पूरा सहयोग दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार आगे बढ़ रहा है, जिसके पीछे महिलाओं की बड़ी भूमिका है। उन्होंने राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए हैं, जिनमें से 60 लाख बिहार में हैं। अकेले मोतिहारी में 3 लाख से अधिक पक्के घर दिए गए हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस के राज में गरीब को पक्का घर मिलना असंभव था और लोग डर के कारण घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवा पाते थे।

'राजद-कांग्रेस के शासनकाल में बिहार विकास से वंचित था'

पीएम मोदी ने कहा कि आज की पीढ़ी को जानना चाहिए कि राजद और कांग्रेस के शासनकाल में बिहार विकास से वंचित था। केंद्र सरकार ने बीते 10 वर्षों में बिहार को पहले से कई गुना अधिक राशि दी है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि पूर्वी भारत में भी मुंबई, पुणे, सूरत और बंगलुरू जैसे औद्योगिक और विकास के केंद्र बनें। मोतिहारी, गया, पटना, संथाल परगना, जलपाईगुड़ी और वीरभूम जैसे क्षेत्रों को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी।प्रधानमंत्री ने आज कार्यक्रम के दौरान समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल लाइन की स्वचालित सिग्नलिंग, दरभंगा-समस्तीपुर दोहरीकरण, पाटलिपुत्र में वंदे भारत रखरखाव सुविधा और चार अमृत भारत ट्रेनों का उद्घाटन किया। उन्होंने एनएच-319 और एनएच-333सी की परियोजनाएं शुरू कीं, दरभंगा और पटना में एसटीपीआई केंद्रों का उद्घाटन किया तथा मत्स्य पालन अवसंरचना की शुरूआत की।

बिहार में 2005 से पहले कोई काम नहीं होता था: नीतीश

पटना/एजेंसी

बिहार के पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी के शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि पहले क्या हाल था, आप सभी जानते हैं। 2005 से पहले यहां कोई काम नहीं होता था। मुख्यमंत्री नीतीश ने प्रधानमंत्री की मोतिहारी जनसभा में अपने संबोधन में कहा कि जब नवम्बर 2005 में भाजपा और जदयू की सरकार बनी, तब से लेकर 20 साल से हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की तरफ से लोगों के हित में बिहार में बहुत काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी और 29 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। अब अगले 5 साल में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देंगे। नीतीश ने कहा कि पहले वे लोग (लालू-राबड़ी) कुछ भी पैसा नहीं लगाते थे। हमलोग धीरे-धीरे विकास के लिए पैसा बढ़ाते गए। हम सब काम कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बहुत काम किया गया है। सभी क्षेत्रों में तेजी से काम हो रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर बहुत काम हुआ है। पुल-पुलिया, सात निश्चय, हर घर बिजली, शौचालय, टोलों को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया गया है।

आईटीआर-2 फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली/एजेंसी

आयकर विभाग ने शुक्रवार को आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-2 फॉर्म के लिए ऑनलाइन आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग की सुविधा शुरू कर दी है, जिससे जटिल आय संरचना वाले लाखों करदाताओं को अपना आईटीआर ज्यादा आसानी से दाखिल करने में मदद मिलेगी। आयकर विभाग ने बयान जारी कर बताया कि आयकर रिटर्न फॉर्म आईटीआर-2 अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे गए डेटा के साथ ऑनलाइन दाखिल करने के लिए उपलब्ध है। इसके जारी होने के साथ ही वो सभी करदाता, जिनमें वेतनभोगी व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनके पास कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम आदि हैं, आज से ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के जरिए अपना आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। यह फॉर्म" पर उपलब्ध है। विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आईटीआर दाखिल करने की विस्तारित समय-सीमा पहले ही बढ़ा कर 15 सितंबर, 2025 कर दिया था। विभाग ने इससे पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे। इससे सीमित करदाताओं को ही अपना आईटीआर दाखिल करने में मदद मिली थी। हालांकि, आईटीआर-3 फॉर्म के लिए अब भी केवल एक्सेल यूटिलिटी ही सक्षम है, ऑनलाइन यूटिलिटी अभी सक्षम नहीं है।

डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली/एजेंसी

डॉलर इंडेक्स में मामूली कमजोरी के बावजूद मुद्रा बाजार में रुपया आज डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 6 पैसे फिसल कर 86.15 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 86.09 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की मजबूती के साथ 86 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी।

रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस के सहयोग से एएमसीए का इंजन विकसित करने का दिया सुझाव

नई दिल्ली/एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान का इंजन विकसित करने के लिए फ्रांस के साथ साझेदारी का सुझाव केंद्र सरकार को दिया है। 61 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के लिए 120 नॉट इंजन बनाना और पूर्ण तकनीकी हस्तांतरण (टीओटी) हस्तांतरण करना है। इस परियोजना से उन्नत विनिर्माण और डिजाइन प्रौद्योगिकियां आएंगी और यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक

महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र सरकार ने स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के मकसद से भारत में बनने वाले पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है।

भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के लिए इस स्टील्थ, मल्टीरोल, एयर सुपीरियॉरिटी फाइटर में छठी पीढ़ी की आधुनिक प्रौद्योगिकियां भी शामिल होंगी।

यह वायु सेना में स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और नौसेना के एचएएल नेवल तेजस और मिग-29 की जगह लेगा। कार्यक्रम निष्पादन मॉडल को मंजूरी मिलने के बाद एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) निजी उद्योग की साझेदारी में इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

बंगाल में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी: प्रधानमंत्री मोदी

दुर्गापुर/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 54 सौ करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विकास से सशक्तिकरण, रोजगार से आत्मनिर्भरता और संवेदनशीलता से सुशासन को भारत के विकास का मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में विकसित भारत के संकल्प की चर्चा हो रही है। इस दिशा में भारत में हो रहे बुनियादी बदलाव एक मजबूत आधार बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने

दुर्गापुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्गापुर में 54 सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि दुर्गापुर भारत की श्रमशक्ति का बड़ा केंद्र है और इन परियोजनाओं से क्षेत्र की कनेक्टिविटी, गैस आधारित अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने तेल एवं गैस, बिजली, सड़क और रेल क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। बांकुड़ा और पुरुलिया जिलों में बीपीसीएल की 1,950 करोड़ रुपये की सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखी ।

पीएम मोदी का नाम ही दिलाता है वोट: निशिकांत

पीएम मोदी को अगले 20 साल तक लीडर बताया, पीएम मोदी को बताया भाजपा की जरूरत

नई दिल्ली/एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हाल ही में बड़ा बयान देते हुए कहा कि भाजपा की मजबूरी है कि 2029 का चुनाव नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाए। दुबे ने ये भी कहा कि अगर पीएम मोदी उनके नेता नहीं होते, तो भाजपा लोकसभा चुनाव में 150 सीटें भी नहीं जीत पाती। संसद में भाजपा के सबसे मुखर चेहरों में से एक कहे जाने वाले निशिकांत दुबे ने ये बाते न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी सफलता के लिए पीएम मोदी की जरूरत है और पार्टी की जीत के लिए नरेंद्र मोदी का नेतृत्व आवश्यक है। निशिकांत दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की सफलता पीएम मोदी के नेतृत्व पर निर्भर है। उन्होंने कहा, 'जब नरेंद्र मोदी आए, तो जो वोट बैंक कभी भाजपा का नहीं था, खासकर गरीबों का, वह उन पर विश्वास के कारण पार्टी की ओर शिफ्ट हुआ। कुछ लोगों को यह पसंद आए या न आए, लेकिन यही हकीकत है।' दुबे ने कहा कि भाजपा को नरेंद्र मोदी की जरूरत है और एक कार्यकर्ता के तौर पर मेरा मानना है कि हमें पीएम मोदी के नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेरी टिप्पणी विवादास्पद नहीं है, लेकिन यह जमीनी हकीकत को दशार्ती है। मोदी का नाम ही पार्टी को वोट दिला सकता है। हमें 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी उनके नेतृत्व की जरूरत होगी।

स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल निस्तार नौसेना में शामिल

भारत हिंद महासागर क्षेत्र में पसंदीदा पनडुब्बी बचाव साथी के रूप में उभरेगा

नई दिल्ली/एजेंसी

स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निस्तार शुक्रवार को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और

पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो गया है। इससे न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। कमीशनिंग समारोह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में हुआ। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी स्वदेशी सामग्री और 120 एमएसएमई के सहयोग से निर्मित निस्तार गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव के लिए सुसज्जित है। इस जहाज पर विशाल डाइविंग कॉम्प्लेक्स एयर एंड सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम के साथ मौजूद है। साथ ही पानी के अंदर रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (आरओवी) और साइड स्कैन सोनार भी लगाया गया है, जो जहाज के परिचालन क्षेत्र को काफी हद तक बढ़ाता है। जलावतरण के बाद इसे गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल किया गया है।

संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को होगी सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले यानी 20 जुलाई, रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह बैठक बुलाई गयी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, संसद भवन एनेक्सी के मुख्य बैठक कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित सर्वदलीय बैठक में दोनों सदनों के फ्लोर लीडर को आंमत्रित किया है। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। बैठक में सरकार सभी दलों के समक्ष आगामी मानसून सत्र का एजेंडा रखेगी। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक प्रस्तावित है। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। 12 से 18 अगस्त तक कोई बैठक नहीं होगी। इसमें सात लंबित विधेयकों को विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। आठ विधेयकों को पुरःस्थापन, विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

ये लातों के भूत हैं, बातों से मानेंगे नहीं...' मुहर्रम और सावन का जिक्र कर सीएम योगी ने दे दिया बड़ा बयान

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं और यह ऐसी मानसिकता है जो हर जगह भारत की विरासत का अपमान करना चाहती है।

उन्होंने जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक वाकिया का जिक्र करते हुए कहा कि 2,3 साल पहले ऐसे ही एक घटना हुई थी, एक व्यक्ति भगवा गमछा ओढ़े था,बीच में उसके मुंह से निकला या अल्लाह... ये लोग अराजकता फैला रहे थे हम ने कहा कि ये लातों के भूत हैं बातों से नहीं

मानेगें इनके ऊपर लठ्ठ बजाओ फिर सही होंगे। राम के साथ मिलकर रावण के खिलाफ जनजातीय समाज ने युद्ध लड़ा मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है। उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की और कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रेता युग में जब माता सीता का अपहरण हुआ, तब वनवास में रह रहे भगवान राम के पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी लेकिन जनजातीय समाज उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। उन्होंने कहा कि इसी तरह, महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। योगी आदित्यनाथ ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को सरकारी योजना से जोड़ा "बिरसा मुंडा ने अल्पायु में धरती माता और गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणा देता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जनजातीय समाज तक शासन की सुविधाएं नहीं पहुंचा सकीं।उन्होंने कहा कि जहां संवाद बाधित होगा, वहां संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने कहा 'हमारी सरकार ने 2017 के बाद जनजातीय गांवों को राजस्व गांव का दर्जा दिया। 1947 से 2017 तक इन गांवों में मतदान का अधिकार तक नहीं था। हमने राशन कार्ड, जमीन के पट्टे और पेंशन जैसी सुविधाएं दीं।सोनभद्र, चंदौली, मीरजापुर और नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को योजनाओं से जोड़ा गया। "जो मानेगा, वह भी हिंदू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिंदू है मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को सनातन परंपरा का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि यह समाज वेदों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है।

महिला आरक्षण से फ्री बिजली तक...बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने 17 दिन में लिए 10 बड़े फैसले

एजेंसी

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया। ये फ्री बिजली को लेकर था। सीएम की ये घोषणा 1 करोड़ 67 लाख लोगों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीते 17 दिनों में जन कल्याण से जुड़े 10 अहम फैसले लिए हैं। इनमें युवा, बुजुर्ग, कलाकार, महिलाओं समेत समाज के सभी वर्गों का खास ख्याल रखा गया है। नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक दिन में ही दो घोषणाएं कीं। एक फैसले में उन्होंने बिहार की जनता को 125 यूनिट तक फ्री बिजली का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। सीएम नीतीश कुमार के मुताबिक, इस फैसले से राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। इसी के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुटीर ज्योति योजना पर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा। कुटीर ज्योति योजना के तहत जो गरीब परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी। इससे पहले, 16 जुलाई को बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर उठाया। मुख्यमंत्री नीतीश ने सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना और नियुक्ति के लिए जल्द टीआरई-4 की परीक्षा लेने को कहा। इन नियुक्तियों में भी 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण का लाभ बिहार की निवासी महिलाओं को दिया जाएगा। 13 जुलाई को बिहार सरकार ने प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार की %गारंटी% दी। उन्होंने 2025 से 2030 के बीच एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया, जिसके लिए हाई लेवल कमेटी के गठन की घोषणा भी की गई। उन्होंने भविष्य में बिहार में कर्पूरी ठाकुर के नाम पर एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना करने का भी ऐलान किया।

इससे तीन दिन पहले यानी 10 जुलाई को नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर बड़ा ऐलान किया। तयशुदा राशि में बड़ा इजाफा किया। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में वृद्ध, विधवा और दिव्यांग पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए बड़ा फैसला 9 जुलाई को लिया गया। सीएम ने कहा कि अब सभी सरकारी और संविदा नियुक्तियों में केवल बिहार की मूल निवासी महिलाओं को ही 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण मिलेगा। एक दिन पहले यानी 8 जुलाई को नीतीश कुमार ने बिहार युवा आयोग का गठन करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी दे दी है, जो युवाओं को रोजगार, शिक्षा और नशामुक्ति जैसे मुद्दों पर नीति सुझाव देगा। आयोग में अधिकतम उम्र 45 वर्ष तय की गई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 3 जुलाई को कलाकारों को पेंशन के लिए कदम उठाए। बिहार के वरिष्ठ और आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों को 3000 रुपये मासिक पेंशन देने की योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दी। 2 जुलाई को राज्य में नई मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना का ऐलान किया गया। हाल ही में बिहार कैबिनेट ने इसको हरी झंडी दी थी। योजना के तहत युवाओं को कौशल विकास के लिए 4000 से 6000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। एक लाख युवाओं को इंटर्नशिप का लाभ दिया जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ मामला: कर्नाटक सरकार ने आरसीबी को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

बेंगलुरु । एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सम्मान समारोह के दौरान भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने हाई कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जांच की स्टेटस रिपोर्ट में इस घटना का दोष आरसीबी मैनेजमेंट पर डाला गया है। कर्नाटक सरकार ने रिपोर्ट में गंभीर खामियों और कुप्रबंधन की ओर इशारा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यक्रम के आयोजक, डीएनए ने 2009 के सिटी ऑर्डर के अनुसार औपचारिक अनुमति लिए बिना ही पुलिस को 3 जून को विक्ट्री परेड के बारे में सूचित किया। परिणामस्वरूप, पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद, आरसीबी ने सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम का प्रचार किया। 4 जून को, उन्होंने सोशल मीडिया पर खुले तौर पर निमंत्रण शेयर किए। इसमें विराट कोहली की एक वीडियो अपील भी शामिल थी, जिसमें प्रशंसकों को फ्री एंट्री वाले समारोह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम में 3 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ उमड़ी, जो उम्मीद और भीड़ को मैनेज करने की क्षमता से कहीं ज्यादा थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आयोजन वाले दिन दोपहर 3 बजकर 14 मिनट पर आयोजकों ने अचानक घोषणा कर दी कि स्टेडियम में एंट्री के लिए पास की जरूरत होगी। इसने फैंस के बीच भ्रम और दहशत का माहौल पैदा किया। आरसीबी, डीएनए, और केएससीए प्रभावी समन्वय में विफल रहे। एंट्री गेट्स पर कुप्रबंधन और देरी से खुलने के कारण भगदड़ मच गई, जिससे सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। आगे की अशांति को रोकने के लिए, पुलिस ने नियंत्रित परिस्थितियों में सीमित कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में अस्पताल कर्मियों से होगी पूछताछ, आईजी बोले- अपराधियों को किया जा रहा चिन्हित

पटना । बिहार की राजधानी पटना के पारस अस्पताल में भर्ती चंदन मिश्रा की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना को लेकर आईजी जितेंद्र राणा का बयान आया है। उन्होंने बताया कि अपराधी चंदन मिश्रा हाल ही में इलाज के लिए जेल से पैरोल पर बाहर आया था। इसी दौरान कुछ अपराधियों ने उस पर हमला कर दिया। आईजी जितेंद्र राणा ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में बताया,'बक्सर जिले का एक बड़ा अपराधी चंदन मिश्रा हाल ही में इलाज के लिए जेल से पैरोल पर बाहर आया था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना या तो आपसी झगड़े या विरोधी गिरोहों के कारण हुई। इलाज के दौरान ही कुछ अपराधियों ने उस पर हमला किया और उसे कई गोलियां मारी हैं। इस बारे में अधिक जानकारी डॉक्टर ही साझा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, चंदन मिश्रा एक बड़ा अपराधी था, और पुलिस पता लगा रही है कि उसे गैंगवॉर के चलते गोली मारी गई है या इस हमले का कोई और कारण है। हम इस घटना के बारे में पता लगा रहे हैं और इसमें शामिल अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है। मामले को लेकर बक्सर पुलिस के साथ भी संपर्क में हैं।आईजी जितेंद्र राणा ने घटना में अस्पताल के कर्मचारियों के शामिल होने के सवाल पर कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यहां के कर्मचारियों की इस घटना में मिलीभगत हो सकती है, इसलिए जो भी सुरक्षाकर्मी अस्पताल में ड्यूटी पर थे, उनसे भी पूछताछ की जाएगी कि अपराधी हथियार लेकर अस्पताल में कैसे पहुंचे। पटना एसएसपी के मुताबिक, बक्सर का कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा कई हत्याओं के मामले में आरोपी था और एक केस में उसे सजा भी मिल चुकी थी। वह बहुत खतरनाक अपराधी है, इसी वजह से कुछ दिन पहले उसे बक्सर से भागलपुर जेल भेजा गया था। इस दौरान उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ईडी की बेंगलुरु में 100 करोड़ रुपये की 'धोखाधड़ी' मामले में छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक स्थानीय बैंक के प्रमोटरों की ओर से 15,000 से अधिक जमाकर्ताओं के साथ 100 करोड़ रुपये के जमा घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की है। यह छापे मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत बेंगलुरु और उसके आसपास के 15 से ज्यादा ठिकानों पर मारे गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने सुश्रुति सौहार्द बैंक, श्रुति सौहार्द बैंक और श्री लक्ष्मी सौहार्द बैंक से जुड़े 100 करोड़ रुपये के कथित जमा घोटाले के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत छापे मारे हैं। ये छापे बैंक के प्रवर्तकों, एन. श्रीनिवास मूर्ति और उनके परिवार के सदस्यों पर मारे गए हैं, जिन पर जमा राशि पर उच्च ब्याज दरों का लालच देकर 15,000 से ज्यादा जमाकर्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है। ईडी के मुताबिक जमा राशि सुरक्षित होने के बाद धन को प्रवर्तकों के करीबी सहयोगियों को असुरक्षित ऋणों के जरिए हस्तांतरित कर दिया गया। इसके बाद फिर इस धन का शोधन करके संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया, जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का स्पष्ट उल्लंघन है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रमोटरों से जुड़ी 20 से ज्यादा संपत्तियों का पता लगाया है। इनमें से ज़्यादातर ऋण गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बन गए। इस मामले में अपराध से प्राप्त आय (पीओसी) 100 करोड़ रुपये से अधिक है। भविष्य में इन्हें धन शोधन विरोधी कानून के तहत जब्त किया जा सकता है।

साफ सफाई हमारी परंपरा का हिस्सा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि साफ सफाई देश की परंपरा के साथ संस्कार और स्वभाव का हिस्सा रहा है। श्रीमती मुर्मु ने आज यहां स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वालों को बधाई देते हुए कहा,' आपने स्वचछता के इस महायज्ञ में योगदान दिया है जो सराहनीय है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने वर्ष 2024 में स्वच्छता का सबसे बड़ा सर्वेक्षण किया जिसके लिए उन्हें भी बधाई देती हूं। स्वच्छता पर बल देना प्राचीन काल से ही हमारी

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का आधार रहा है। अपने घरों को, उपासना स्थलों को तथा आसपास के परिवेश को स्वच्छता रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग थी। आज भी साफ सफाई करने का मौका मिलता है तो उसका उपयोग करती हूं क्योंकि साफ-सफाई हमारे संस्कार और स्वभाव है, मेरे जैसे करोड़ों देशवासियों के संस्कार और स्वभाव का हिस्सा रहा है।'

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन साहित्यों तथा ऐतिहासिक ग्रंथों में अयोध्या, उज्जैन, पाटलीपुत्र और हम्पी जैसे नगरों के भव्यता और साफ सफाई के विवरण प्राप्त होते हैं। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा,' आज स्वच्छता के प्रति एक अलख जगी है जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। आजादी के बाद पहला अवसर था जब किसी प्रधानमंत्री ने लाल क़िले से स्वच्छता का आह्वान किया था। आजादी के सत्तर साल में स्वच्छता को लेकर जो नहीं हुआ था वह करके दिखाया। देश को खुले में शौच से मुक्त किया गया जो बड़ी उपलब्धि है और महिलाओं के सम्मान से जुड़ी है।' उन्होंने कहा कि आज देश भर में 80 प्रतिशत ठोस कचरे का प्रसंस्करण हो रहा है। कचरे का उपयोग बायो कंपोस्ट में किया जा रहा है। वेस्ट को भी बेस्ट बनाया जा रहा है। स्वच्छता आज हर एक भारतवासी का संकल्प बन चुका है।

कन्हैयालाल परिवार को कब तक न्याय के लिए करना पड़ेगा इंतजार-गहलोत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड में कन्हैयालाल परिवार को कब तक न्याय के लिए इंतजार करना पड़ेगा। श्री गहलोत ने अपने बयान में कहा कि श्री शाह आज जयपुर दौरे पर हैं और उन्होंने विधानसभा चुनाव से पूर्व राजस्थान में हर रैली में कन्हैयालाल केस का जिक्र किया और इसके नाम पर वोट मांगे। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा इस केस पर केवल राजनीति ही करेगी। उनका न्याय से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि अब इस केस को तीन साल हो चुके हैं। अभी तक एनआईए अदालत ने दोषियों को सजा नहीं सुनाई है क्योंकि यहां की एनआईए अदालत में रेगुलर जज तक नहीं हैं। एनआईए तीन साल में गवाहों के बयान तक नहीं करवा सकी है।

उन्होंने कहा कि इस केस में राजस्थान पुलिस ने सिर्फ चार घंटे में आरोपी गिरफ्तार कर लिए।

दोनों आरोपियों का संबंध भाजपा से था। इसके बाद भी केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एनआईए ने रातोंरात केस अपने पास ले लिया। हमने इस पर भी ऐतराज नहीं किया। पूरी भाजपा ने राजस्थान में पांच लाख-50 लाख मुआवजे का झूठ फैलाया और हमारी सरकार जाने के सबसे बड़े कारणों में यह झूठ शामिल है।

महाराष्ट्र के नासिक में कार और बाइक की टक्कर में 7 लोगों की मौत, दो घायल

एजेंसी

मुंबई। नासिक जिले के डिंडोरी में वनी-नासिक रोड पर बीती रात एक कार और बाइक की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। मृतकों में तीन महिलाएं, तीन पुरुष और एक बच्चा शामिल है। इस घटना में घायल दो लोगों का इलाज नासिक के सरकारी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना की छानबीन डिंडोरी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

पुलिस के अनुसार नासिक के डिंडोरी में रहने वाले सात लोग अपने बेटे का जन्मदिन मनाने कार से नासिक शहर गए थे। देर रात बेटे का जन्मदिन मनाकर घर लौटते समय उनकी कार सामने से आ रही एक बाइक से टकरा गई। कार पलटकर गहरे नाले में गिर गई। इससे कार में ही दम घुटने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही डिंडोरी पुलिस मौके पर पहुंची और आज सुबह कार को नाले से निकालकर सभी शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना में मृतकों की पहचान देवीदास पंडित

गुंगुर्डे (28), मनीषा देवीदास गंगुर्डे (23), उत्तम एकनाथ जाधव (42), अलका उत्तम जाधव (38), दत्तात्रेय नामदेव वाघमारे (45), अनुसया दत्तात्रेय वाघमारे (40) और भावेश देवीदास गंगुर्डे (02) के रुप में की गई है जबकि इस घटना में घायल मोटरसाइकिल सवार युवक मंगेश यशवंत कुरघाडे (25) और अजय जगन्नाथ गोंड (18) को तत्काल नासिक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

एजेंसी

जम्मू। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पहलगाम और बालटाल दोनों आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा आज यानी गुरुवार के लिए स्थगित कर दी गई है। यह रोक ऐसे समय में लगाई गई है जब अधिकारी भारी बारिश से प्रभावित तीर्थयात्रियों के मार्गों पर तत्काल मरम्मत कार्य करवाने में जुटे हैं। जम्मू-कश्मीर जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण दोनों मार्गों पर मरम्मत कार्य करना जरूरी हो गया है। सीमा सड़क संगठन ने 18 जुलाई को दोनों आधार शिविरों से यात्रा शुरू होने से पहले काम पूरा करने के लिए अपने कर्मियों और मशीनों की तैनाती की है। इस वर्ष यह पहला अवसर है जब जम्मू से तीर्थयात्रा एक दिन के लिए रोकी गई है। संभागीय आयुक्त कश्मीर विजय कुमार बिधूड़ी ने भी यात्रा स्थगित होने की पुष्टि की और कहा कि मौसम की स्थिति के आधार पर तीर्थयात्रा 18 जुलाई को फिर से शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण दोनों मार्गों पर तत्काल पिछली रात पंजतरणी शिविर में रुके यात्रियों को बीआरओ और पर्वतीय बचाव दलों की पर्याप्त तैनाती के तहत बालटाल जाने की अनुमति दी जा रही है। दिन के दौरान मौसम की

मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि आज दोनों आधार शिविरों से पवित्र गुफा की ओर किसी भी प्रकार की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि स्थिति के आधार पर यात्रा कल फिर से शुरू होने की पूरी संभावना है। तीन जुलाई को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 2.35 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

भूस्खलन के कारण अमरनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे तीर्थयात्री, भारतीय सेना ने बचाया

एजेंसी

कश्मीर । भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से फंसे सैकड़ों अमरनाथ यात्रियों को बचाया। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 7:15 बजे, रायलपथरी और ब्रारीमार्ग के बीच जेड मोड़ पर एक बड़ा भूस्खलन हुआ, जिससे यात्रा अचानक रुक गई। इस कारण सैकड़ों यात्री मुश्किल इलाके में फंस गए। हालांकि, भारतीय सेना की ब्रारीमार्ग टुकड़ी को कुछ ही मिनटों में तैनात कर दिया गया। भारतीय सेना ने वहां फंसे यात्रियों को बचाया और लगभग 500 यात्रियों को सेना के टेंटों में सुरक्षित ठहराया गया है। साथ ही उन्हें चाय और पीने का पानी भी दिया गया है। इसके अलावा, करीब 3,000 अन्य यात्रियों ने ब्रारीमार्ग और जेड

मोड़ के बीच लंगरों में शरण ली है, जहां उन्हें आश्रय और भोजन समेत आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। एक गंभीर रूप से बीमार यात्री को रायलपथरी में दो भूस्खलन स्थलों के बीच फंस गया था। सेना की क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) ने जोखिम भरे रास्तों और खराब मौसम में मैनुअल स्ट्रेचर से उसे सुरक्षित निकाला और रायलपथरी लाया, जहां से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। ब्रारीमार्ग के कैंप डायरेक्टर और सेना के कंपनी कमांडर सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद थे। भारतीय सेना ने पुष्टि की है कि स्थिति अब स्थिर और नियंत्रण में है। क्षेत्र में हल्की बारिश जारी रहने के कारण सेना के जवान हाई अलर्ट पर हैं। यह बचाव और राहत अभियान उच्च-ऊंचाई वाले और आपदा क्षेत्रों में नागरिकों की रक्षा के लिए भारतीय सेना के अटूट संकल्प और तत्परता को दर्शाता है। अप्रत्याशित मौसम के बीच अमरनाथ यात्रा आगे बढ़ रही है। इस यात्रा के दौरान सेना न केवल सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि जीवन रक्षक सहायता और करुणा के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

बिहार को लेकर चुनाव आयोग पर बरसे राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कठपुतली बनने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह चुनाव आयोग कम और भाजपा का 'चोरी आयोग' ज्यादा नजर आता है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक पर एक पोस्ट में कहा 'बिहार में चुनाव आयोग मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर रंगे हाथ वोट चोरी करता पकड़ा गया। काम सिर्फ़ चोरी, नाम 'एसआईआर' पर्दाफाश करने वाले पर प्राथमिकी होगी। उन्होंने चुनाव आयोग को आड़े हाथ लेते हुए कहा

कि आयोग अब भी 'चुनाव आयोग' है या पूरी तरह भाजपा की 'चुनाव चोरी' शाखा बन चुका है

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम हुआ सुहावना, 'अच्छी' श्रेणी में पहुंची एयर क्वालिटी

एजेंसी

नोएडा । दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में हो रही बारिश के चलते तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इस बीच, बारिश की वजह से दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक भी अच्छी श्रेणी में पहुंच गया है। एक्यूआई में आई गिरावट के चलते लोगों को राहत की सांस मिल रही है। दिल्ली-एनसीआर में जुलाई के तीसरे सप्ताह में लगातार हो रही रुक-रुक कर बारिश ने न सिर्फ मौसम को सुहावना बना दिया है, बल्कि वायु गुणवत्ता सूचकांक को भी बेहतर बना दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 जुलाई से लेकर अगले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बारिश जारी रहेगी। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से कोई चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है। दिल्ली में एक्यूआई ज्यादातर स्थानों पर 'अच्छी' श्रेणी में है। 17 जुलाई को सुबह दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता अच्छी श्रेणी में दर्ज की गई। डीयू (डीटीयू) में सबसे अच्छा एक्यूआई 37 रिकॉर्ड किया गया, जबकि बुराड़ी क्रॉसिंग में 48 रहा। इसके अलावा, चांदनी चौक (68), लोदी रोड (56), अलिपुर (61), नरेला (74), और नेहरू नगर (65) जैसे क्षेत्रों में भी एक्यूआई 'अच्छा' रहा। हालांकि, मुंडका में एक्यूआई 133 और आनंद विहार में 78 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' से 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। वहीं, नोएडा के सेक्टर-62 और सेक्टर-1 में एक्यूआई 65 और 64 रहा, जो 'अच्छी' श्रेणी में आता है, लेकिन सेक्टर-125 का एक्यूआई 141 रिकॉर्ड हुआ, जो 'मध्यम' स्तर पर है। गाजियाबाद के लोहानी (101) और संजय नगर (109) में एक्यूआई थोड़ा बढ़ा हुआ पाया गया, जबकि वसुंधरा (66) और इंदिरापुरम (70) में एक्यूआई संतोषजनक रहा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट के अनुसार, 17 से 22 जुलाई तक राजधानी दिल्ली में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।

डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 के प्रतिभागियों के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने जारी किया क्यूआर कोड

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 की नामांकन प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वेबपेज लिंक एवं क्यूआर कोड लॉन्च किया। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम और मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने क्यूआर कोड लॉन्च किया। इस क्यूआर कोड की मदद से प्रतिभागी सीधे स्कैन कर अपना आवेदन कर सकेंगे। डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 का रजिस्ट्रेशन 16 जुलाई से शुरू होगा। 16 जुलाई से 06 अगस्त तक आवेदन किए जाएंगे। 03 अगस्त से 06 अगस्त तक नामांकनों की शार्टलिस्टिंग का कार्य होगा। 06 से 09 अगस्त तक चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। अवॉर्ड वितरण का मुख्य कार्यक्रम 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। बैठक के समापन के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी दुष्यंत गौतम ने कहा कि महिलाओं को सम्मान देने का जितना काम मोदी सरकार ने किया वो आज तक किसी सरकार ने नहीं किया।

आईआरएस समेत आयकर विभाग के तीन अधिकारी गिरफ्तार, घूस लेते रंगे हाथों पकड़े गए

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पटना में आयकर विभाग के सहायक निदेशक सहित तीन अधिकारियों को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में आयकर विभाग के सहायक निदेशक आदित्य सौरभ (आईआरएस), निरीक्षक मनीष कुमार पंकज और मल्टी-टास्किंग स्टाफ शुभम राज शामिल हैं। सीबीआई के मुताबिक, इन अधिकारियों ने एक व्यक्ति से पहले से जब्त की गई 13 लाख रुपये की नकदी को छोड़ने और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई न करने के एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह नकदी शिकायतकर्ता के बहनोई से पटना एयरपोर्ट पर जब्त की गई थी, जिसकी जानकारी आयकर विभाग को दी गई थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 15 जुलाई को मामला दर्ज कर जाल बिछाया और तीनों को रिश्वत लेते समय पकड़ लिया। एजेंसी ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है। बताया गया कि यह रिश्वत सहायक निदेशक आदित्य सौरभ के कहने पर और उनकी ओर से ली गई थी। सीबीआई ने पटना में तीनों आरोपितों के अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली और कई दस्तावेज व सबूत अपने कब्जे में लिए हैं।

साइबर अपराध पर सीबीआई का शिकंजा, सात राज्यों में छापेमारी, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवाा को सात राज्यों- दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, केरल, पंजाब, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में कई स्थानों पर छापेमारी की और कई जसियां की। यह कार्रवाई साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों से निपटने के लिए ऑपरेशन चक्र-V के तहत की गई। सीबीआई ने साइबर धोखाधड़ी की आय को चैनलाइज़ करने और छिपाने में सक्रिय भूमिका के लिए 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। 'म्यूल बैंक खातों' के माध्यम से पैसे के लेन-देन को सुगम बनाने और संचालित करने का काम करते थे। गिरफ्तार आरोपितों को संबंधित न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है। अब तक एजेंसी ने मोबाइल फोन, बैंक खाता खोलने के दस्तावेज़, लेन-देन रिकॉर्ड और केवाईसी दस्तावेज़ों सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक साक्ष्य ज़ब्त किए हैं। सीबीआई ने साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें साइबर अपराध के बुनियादी ढांचे के प्रमुख स्तंभों को लक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह स्तंभ हैं- वित्तीय बुनियादी ढांचा, दूरसंचार संरचना और मानव संसाधन नेटवर्क। सीबीआई ने 25 जून को 37 आरोपितों के खिलाफ आईपीसी/बीएनएस और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

लालू यादव और सोनिया गांधी से कई गुणा बेहतर है नीतीश कुमार का स्वास्थ्य : केसी त्यागी

नई दिल्ली । जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने विपक्ष के उन आरोपों पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर दावा किया गया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वास्थ्य ठीक नहीं है और वो कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगातार असफल हो रहे हैं। विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए जदयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार का स्वास्थ्य कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मुखिया लालू प्रसाद यादव से कई गुना बेहतर है। किसी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं और उनके कार्यकाल में बिहार में अपराध घटा है। अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाती है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाता है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर टीडीपी की ओर से लिखे गए पत्र पर जदयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि टीडीपी हमारी सहयोगी है।

मुख्यमंत्री ने मच्छरों का लार्वा तीसरी बार मिलने पर चालान काटने के निर्देश दिए

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने आलाधिकारियों मच्छरों का लार्वा मिलने पर दो बार चेतावनी देने के बाद तीसरी बार चालान काटने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग को तय समय से पहले शुरू कर दी जाए, ताकि कीट जनित रोगों का फैलाव पहले से ही रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन रोगों को लेकर आगामी दो महीने बेहद महत्वपूर्ण हैं, इसलिए पहले से ही तैयारी जरूरी है। इसके लिए जागरुकता, निगरानी व कार्रवाई जरूरी है। इस बैठक में दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड व दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कीट जनित

बीमारियों का प्रकोप अभी दिल्ली में फैला नहीं है, इसके बावजूद हमें सतर्क और एक्शन में आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी व कर्मचारी मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए सारे उपाय करें और इस अभियान में लोगों को भी शामिल करें। इसके लिए सभी प्रकार के प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, पार्कों, खुले स्थानों, अस्पतालों आदि में मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन घरों या स्थानों में मच्छर की उत्पत्ति पाई जाती है, वहां चालान काटने से पहले दो बार चेतावनी दी जाए, ताकि लोग जागरुक हो जाए और मच्छरों से बचाव के उपाय खुद ही तलाशें। बैठक में अफसरों ने बताया कि मच्छरों का प्रजनन रोकने के लिए सितंबर माह में फॉगिंग की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही फॉगिंग अभियान शुरू किया जाए, ताकि मच्छरों का प्रकोप रुके और लोगों का विश्वास बढ़े कि सरकार व शासन डेंगू व अन्य बीमारियों की रोकथाम में गंभीरता से जुटा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाओं या मशीनरी आदि की कमी नहीं रहनी जाए, अगर कुछ समस्या आए तो सीधे हमें सूचित करें। इन बीमारियों से बचाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि अब तक 5,09,524 घरों में फॉगिंग और मच्छरनाशक स्प्रे का कार्य किया जा चुका है। इसके अलावा, 71,086 घरों में मच्छरों के लार्वा पाए गए जिन्हें मौके पर ही नष्ट किया गया। इस कार्य के माध्यम से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

डॉ. राकेश मिश्र की पुस्तक 'समिधा' का कल करेंगे आरएसएस सरकार्यवाह लोकार्पण

नई दिल्ली। वरिष्ठ चिंतक एवं पूर्व सांसद स्व. बाल आपटे की तेरहवीं पुण्य स्मृति के अवसर पर शिक्षाविद डॉ. राकेश मिश्र की सद्य-प्रकाशित पुस्तक 'समिधा' का लोकार्पण दिल्ली में संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी कान्वेंशन सेंटर में होगा। पुस्तक का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दत्तात्रेय होसबाले के द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में भारतीय स्त्री शक्ति की संस्थापक निर्मला बलवंत आपटे बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही विभिन्न विचार परिवार क्षेत्र के लोग भी उपस्थित रहेंगे। इस पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली के द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राकेश मिश्र ने समकालीन राष्ट्रचिंतन, सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श तथा विचार परिवार की प्रेरणाओं पर आधारित यह कृति स्व.बाल आपटे को समर्पित करते हुए प्रस्तुत की है। यह पुस्तक उनके विचार, जीवन और भारतीय राजनीति में योगदान को श्रद्धांजलि के रूप में स्वर देती है।

दिल्ली विधानसभा सदन का आधुनिकीकरण एवं सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य 27 जुलाई तक होगा पूर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा सदन में जारी नवीनीकरण और आधुनिकीकरण कार्यों की समीक्षा के लिए आज एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में आलाधिकारियों ने बताया कि 27 जुलाई तक संपूर्ण विधानसभा सदन का नवीनीकरण और सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

बैठक में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार, अपर मुख्य सचिव (वित्त विभाग) बिपुल पाठक समेत अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अध्यक्ष को नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन परियोजना की प्रगति के साथ-साथ विधानसभा परिसर में चल रहे अन्य आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण कार्यों की जानकारी दी गयी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सूचित किया कि संपूर्ण नवीनीकरण और सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य आगामी 27 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा। ये सभी

प्रयास आगामी मानसून सत्र की तैयारियों के अंतर्गत किए जा रहे हैं, जो जुलाई अंत या अगस्त की शुरुआत में आयोजित होने की संभावना है। गुप्ता को बताया गया कि विधानसभा के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं और नेवा परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। इस पहल का उद्देश्य विधानसभा को पूरी तरह डिजिटल एवं कागज रहित बनाना है।

आतिशी ने सीलमपुर में सद्भावना कांवड़ शिविर का किया उद्घाटन, बताया गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आआपा नेता आतिशी ने दिल्ली के सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के वेलकम पुल पर सद्भावना कांवड़ शिविर का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि सीलमपुर का यह सद्भावना कांवड़ शिविर गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है।आतिशी ने सावन के महीने की सबको बधाई देते हुए कहा कि सीलमपुर का यह सद्भावना कांवड़ शिविर गंगा जमुनी तहजीब का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह कांवड़ शिविर सीलमपुर में 1994 से भाईचारे का संदेश देता है। जो मुस्लिम भाइयों द्वारा लगातार लगाया जाता है। मुस्लिम भाइयों ने शिव भक्तों को विदा कर संदेश दिया कि मजहब दीवार नहीं, दिलों को जोड़ने वाला पुल बनाता है। उन्होंने कहा की यही दिल्ली और हमारे देश की संस्कृति है कि सभी धर्मों के लोग अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोग साथ रहते हैं। आतिशी ने कहा कि यह सद्भावना कैंप देश में राजनीति करने

वालों को आईना दिखा रहा है कि तुम हमे कितना भी लड़वाने की कोशिश करो, इस देश के हर धर्म के लोग एक है। हर भाषा बोलने वाले लोग एक है और हमेशा एक ही रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस शानदार पहल के लिए मैं सभी दिल्लीवासियों की तरफ से विधायक चौधरी जुबैर एवं उनके सभी साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश में गंगा जमुनी की यह तहजीब बनी रहनी चाहिए। इस दौरान आआपा विधायक चौधरी जुबैर अहमद और उनके साथी मौजूद रहे। जिन्होंने इस कांवड़ शिविर का आयोजन किया।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने एआई संचालित स्कैन ओएयर डिवाइस का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक द्वारा संचालित मशीन स्कैनओएयर डिवाइस का उद्घाटन किया। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली के मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में लगाए गए स्कैनओएयर डिवाइस को खास तौर पर अधिक भीड़भाड़ वाले सरकारी अस्पतालों में दंतों की स्वास्थ्य जांच को सुरक्षित, स्वच्छ और अत्यधिक कुशल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके जरिए मरीज खुद अपने दांतों-मसूड़ों की जांच रिपोर्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक द्वारा संचालित मशीन तैयार करेंगे और मरीजों की दांतों को स्कैनिंग करके मोबाइल पर

जांच रिपोर्ट मिल जाएगी। सीएसआर के पहल से मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में लगाई गई मशीन से राजधानी दिल्ली के स्वास्थ्य के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक के शामिल होने से भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि स्कैनओएयर डिवाइस अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के लिए एक ऐसी सुविधा प्रदान करेगा जिसके माध्यम से मरीज खुद ही अपने दांतों और मसूड़े की जांच रिपोर्ट तैयार कर सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह केवल मशीनें नहीं हैं, बल्कि ये स्मार्ट एआई टूल्स हैं, जो उच्च सटीकता के साथ दंत समस्याओं की तुरंत पहचान कर सकते हैं। यह सुविधा दिल्ली की जनता की सुविधा के लिए शुरू की गई है। जो डॉक्टर्स और मरीजों की कीमती समय की बचत करेगी और हमारे अस्पतालों में भारी भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद करेगी। मंत्री पंकज कुमार सिंह के सामने स्कैनओएयर डिवाइस मशीन का पूरा डेमो करके भी दिखाया गया। मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज की बड़ी ओपीडी संख्या को देखते हुए स्कैनओएयर डिवाइस मैनुअल जांच की तुलना में समय की बचत करता है। एआई-आधारित डिवाइस मशीन लोगों को बेहद तेज़ विकल्प देता है, जिससे अस्पताल के ओपीडी की कतारों में कमी आने के साथ ही मरीजों की आवाजाही में भी सुधार होगा।

दिल्ली पुलिस की सतर्कता से टली घटना, पूर्व मंगेतर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य जिले के पहाड़गंज थाना क्षेत्र में दिल्ली पुलिस की तत्परता और स्थानीय लोगों की मदद से एक भयावह वारदात को होने से पहले ही टाल दिया गया। एक युवती पर उसके पूर्व मंगेतर द्वारा हमला करने की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस की समय पर कार्रवाई ने उसे बचा लिया।मध्य जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि मंगलवार को पहाड़गंज थाने में तैनात हवलदार कृष्ण और शिव कुमार कृष्णा मार्केट, पहाड़गंज में गश्त कर रहे थे। इस बीच उन्होंने एक कार्यालय के बाहर अफरा-तफरी देखी। मौके पर पहुंच कर उन्होंने देखा कि एक लड़का हाथ में चाकू लिए एक युवती को पीट रहा था और कह रहा था, ÷अब देखता हूं तुम किसी और से कैसे शादी करती हो?÷ पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थानीय नागरिकों की मदद से आरोपित को काबू में किया। इसके बाद सब-इंस्पेक्टर अरुण और कांस्टेबल सुनील भी मौके पर पहुंचे। पकड़े गए युवक की पहचान करन (27), निवासी बगिची रामचंदर, पहाड़गंज के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद हुआ।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह पहले आरोपी करन के साथ रिश्ते में थी, लेकिन छह महीने पहले सगाई टूट गई थी। इसके बाद से ही आरोपी उसे लगातार परेशान कर रहा था। घटना वाले दिन वह उसके ऑफिस में घुस आया, उसे पीटा और चाकू दिखाकर धमकाया कि अगर उसने उससे शादी नहीं की तो अंजाम बुरा होगा। पीड़िता ने शोर मचाया, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली में 'एक सड़क - एक दिन' योजना प्रस्ताव पास, 1 सितंबर से शुरू होगा सड़कों का कायाकल्प अभियान - सत्या शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एससीडी) में आयोजित स्थायी समिति की बैठक सत्या शर्मा की अध्यक्षता में सिविक सेंटर स्थित सत्य नारायण बंसल सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने एक सड़क, एक दिन नाम से सफाई अभियान की शुरूआत की जानकारी दी। इस दौरान बैठक में नागरिकों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। स्थायी समिति के अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि आज बैठक में स्वच्छ भारत मिशन से प्रेरित एक सड़क - एक दिन योजना पर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास किया गया। योजना के तहत नगर निगम के प्रत्येक जोन में प्रतिदिन एक प्रमुख सड़क का समग्र कायाकल्प किया जाएगा। जिसमें सड़क मरम्मत, फुटपाथों की सफाई और सुधार, साइनेज की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों की बहाली, अवैध अतिक्रमण हटाना, पेड़ों की छंटाई और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य शामिल होंगे। सत्या शर्मा ने कहा कि एक सितंबर से योजना का क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा। ताकि दो अक्टूबर को स्वच्छ भारत मिशन की वर्षगांठ से पहले दिल्ली की सड़कों पर परिवर्तन दिखने लगे। उन्होंने बताया कि यह योजना प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014 में आरंभ किए गए स्वच्छ भारत मिशन की भावना को और मजबूत करेगी तथा दिल्ली की सड़कों को फिर से सुंदर और व्यवस्थित बनाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि स्कूलों और धार्मिक स्थलों से 100 मीटर की परिधि में कोई भी मीट की दुकान संचालित न हो। उन्होंने अवैध रूप से चल रही तथा बिना लाइसेंस वाली दुकानों को तुरंत प्रभाव से सील करने के निर्देश दिए। साथ ही आवारा कुत्तों की समस्या के बारे में चर्चा की गई और इस संबंध में नई नीति बनाने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम की स्थायी समिति ने आज भारत दर्शन पार्क (पंजाबी बाग) में स्वचालित बहुस्तरीय पजल पार्किंग निर्माण के प्रस्ताव को पास किया। भारत दर्शन पार्क जैसे भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थल पर अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह पार्किंग सुविधा यातायात को सुचारू बनाएगी और आगंतुकों को राहत देगी। नगर निगम की स्थायी समिति ने गाजीपुर स्थित पशुवध गृह में गोबर सोखन संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

प्रधानमंत्री मोतिहारी में 18 जुलाई को करेंगे जनसभा

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जुलाई यानी शुक्रवार को बिहार के पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में एक जनसभा को सम्बोधित करेंगे। बिहार सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनसभा के दौरान पीएम मोदी सड़क, रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रामीण कल्याण सहित प्रमुख क्षेत्रों में करीब 7,196 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का अनावरण और शिलान्यास करेंगे। विकास परियोजनाओं में से 5,398 करोड़ रुपये रेलवे परियोजनाओं के लिए जाएगा, जबकि 1,173 करोड़ रुपये सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय 63 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में योगदान देगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 40,000 लाभार्थियों के खातों में सीधे 162 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाएंगे। इसी योजना के तहत लगभग 12,000 लाभार्थियों को गृह प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा, ग्रामीण आजीविका को मज़बूत करने के उद्देश्य से 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये जारी किए जाने हैं। अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के साथ, बिहार में राजनीतिक हलचल तेज़ हो गई है। प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्षी दलों की सक्रियता बढ़ रही है, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कई दौरे भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी का पिछला बिहार दौरा 20 जून को हुआ था, जब उन्होंने सीवान जिले के जसोली में एक जनसभा को संबोधित किया था। इससे पहले उन्होंने 29 मई को पटना में एक रोड शो और 30 मई को शाहाबाद में एक रैली की थी। पूर्वी चंपारण स्थित मोतिहारी की लड़ाई भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, दोनों ज़िलों के मतदाताओं पर असर पड़ने की उम्मीद है।

होलंबी कलां इको पार्क परियोजना के लिए जल्द जारी होगा ग्लोबल टेंडर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने देश के पहले प्रदूषण रहित और नेट जीरो ई-वेस्ट इको पार्क को तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते नॉर्वे और हांगकांग के अत्याधुनिक ई-वेस्ट प्रबंधन मॉडलों का अध्ययन करने के लिए थर्ड-पार्टी विशेषज्ञ एजेंसी की नियुक्ति की है। इस अध्ययन का उद्देश्य उत्तर-पश्चिम दिल्ली के होलंबी कलां इको पार्क में एक विश्वस्तरीय सुविधा स्थापित करना है, जो ई-वेस्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के नए मानक तय करेगी। दिल्ली सरकार ने एक बयान में यह जानकारी दी। उद्योग व पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की अध्यक्षता में बैठक के बाद यह पुष्टि की गयी कि 150 करोड़ रुपये की लागत वाले इस परियोजना के लिए ग्लोबल टेंडर की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही इसे दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) जारी करेगा। डीएसआईआईडीसी इस परियोजना की नोडल एजेंसी है। सिरसा ने कहा कि सिर्फ ढांचा खड़ा करना हमारा मकसद नहीं है, बल्कि हम चाहते हैं कि ग्रीन टेक्नोलॉजी में लोगों और सरकारों का विश्वास बढ़े। इसके लिए हम दुनियाभर के सफल मॉडलों

का अध्ययन कर रहे हैं। खासकर नॉर्वे (जो बेहद इको-फ्रेंडली है) और हांगकांग में जहां ई-वेस्ट प्लांट शहरों के बीच होते हुए भी शून्य प्रदूषण फैलाते हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम सबसे स्वच्छ और सुरक्षित तकनीक अपनाएं। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और दिल्ली को प्रदूषण से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा प्लांट होगा जो ग्रीन बेल्ट से घिरा, नेट जीरो एमिशन पर आधारित और वास्तव में भारत में अब तक बना सबसे हरित औद्योगिक केंद्र होगा। 11.4 एकड़ में फैले इस ग्रीन ई-वेस्ट इको पार्क में हर साल 51,000 मीट्रिक टन से अधिक ई-वेस्ट का प्रोसेस किया जाएगा और यह 350 करोड़ से अधिक की रेवेन्यू जेनेरेट करेगा। साइट के 33 फीसद हिस्से में ग्रीन बेल्ट और 53 फीसद हिस्से में खुले क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं, जो एक प्राकृतिक प्रदूषण रोधक कवच का काम करेंगे। साथ ही यह प्लांट दिल्ली में वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा।

दिल्ली विवि के कुलपति ने किया टैगोर हॉल का उद्घाटन, सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आर्ट्स फैकल्टी परिसर स्थित नवीनीकृत टैगोर हॉल का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सतत नवीनीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समय के साथ सभी सुविधाओं का आधुनिक रूप में पुनर्निर्माण जरूरी है। इसी क्रम में शंकर लाल हॉल और टैगोर हॉल के नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि अन्य ढांचागत सुविधाओं के विकास का कार्य प्रगति पर है। प्रो. सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय 103 वर्ष पुराना संस्थान है और इसे नए सांचे में ढालने, सजाने और बेहतर तरीके से संचालित करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए विश्वविद्यालय की सभी प्रमुख इमारतों, हॉल और लाइब्रेरी आदि का क्रमबद्ध तरीके से नवीनीकरण किया जा रहा है। कुलपति ने टैगोर हॉल के उद्घाटन के बाद विश्वविद्यालय के आर्ट्स फैकल्टी क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों के साथ पैदल भ्रमण करते हुए सड़क से लेकर भवनों के आसपास के क्षेत्रों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने सुरक्षा मानकों पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी इमारतों के आसपास वाइड एंगल पर फायर ब्रिगेड की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस अवसर पर दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, वित्त अधिकारी गिरीश रंजन, एनसीवेब की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, चीफ इंजीनियर अशोक सैनी और एक्सईएन राजेंद्र सोलंकी सहित अनेक विश्वविद्यालय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से

डिजिटल युग में बचपन और रिश्तों का संकट

डिजिटल युग ने जहां हमारी दुनिया को एक-दूसरे के बेहद करीब ला दिया है, वहीं इसके प्रभाव ने बच्चों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों में गहरे बदलाव भी ला दिए हैं। आज के बच्चे आँगन की मिट्टी छोड़कर स्मार्टफोन, टैबलेट और गेमिंग की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। उनका बचपन अब स्क्रीन की चकाचौंध में डूबा है, जिससे न केवल पारिवारिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बल्कि उनकी मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सेहत पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।कुछ दशक पहले का बचपन आज से बिलकुल अलग था। आँगन में कंचे खेलना, मिट्टी में खेलना, दौड़-भाग और गली-मोहल्ले में दोस्तों के साथ मस्ती करना, हर बच्चे की जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा था। बच्चे पसीने से तरबतर होकर घर आते थे। माँ की ममता भरी थपकी और दादी की कहानियाँ उनके दिन की खुशी का आधार हुआ करती थीं। उस वक्त डिजिटल उपकरणों का नामोनिशान भी नहीं था।आज का बचपन बदले हुए दौर की पहचान है। बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट और वीडियो गेम्स की दुनिया में उलझे रहते हैं। वे घंटों एक छोटी सी स्क्रीन के सामने बैठकर आभासी पात्रों के साथ लड़ते-झगड़ते हैं, लेकिन असली दुनिया से उनकी दूरी बढ़ती जा रही है। वे पारिवारिक संवाद और वास्तविक सामाजिक मेलजोल से दूर हो रहे हैं।मनोवैज्ञानिक और शोधकर्ता इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों में स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए नुकसानदायक है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 12-18 वर्ष के लगभग 75% बच्चे दिन में चार से छह घंटे तक मोबाइल या टैबलेट का उपयोग करते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक इस उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम दो घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अधिक देर तक स्क्रीन देखने से बच्चों की नींद प्रभावित होती है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है और मानसिक तनाव बढ़ता है।

इससे अवसाद, चिड़चिड़ापन और अकेलेपन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। साथ ही शारीरिक रूप से भी वे सक्रिय नहीं रहते, जिससे मोटापा, दृष्टि की कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं।परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे के साथ समय बिताने की बजाय अपने-अपने मोबाइल या डिजिटल उपकरणों में खोए रहते हैं। भोजन करते समय भी अधिकतर लोग फोन पर व्यस्त रहते हैं। बच्चों के साथ संवाद की कमी उनके और माता-पिता के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ा रही है। बच्चे अपने मन की बात कहने में संकोच करते हैं, जिससे उनका मनोबल कमजोर होता है। परिवार में संवाद की कमी से बच्चों की समझ और सहानुभूति विकसित नहीं हो पाती। वे अपनी भावनाओं को सही ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते, जो रिश्तों में दरार का कारण बनता है। इसका असर उनकी सामाजिक व्यवहार, दोस्ती और रिश्तों की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।स्क्रीन के सामने बिताया गया अधिक समय बच्चों के सामाजिक कौशल को प्रभावित करता है। वे वास्तविक जीवन के संपर्क में कम आते हैं, जिससे उनकी संवाद क्षमता, सहनशीलता और टीम भावना कमजोर होती है। बच्चे जो जीवन के अनुभवों और अलग-अलग लोगों से मिलने-जुलने से सीखते हैं, वे अनुभव डिजिटल माध्यम से पूरी तरह से नहीं हो सकते। भावनात्मक विकास के लिए भी पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मेलजोल की जरूरत होती है। बच्चे अपनी खुशियों, दुखों और परेशानियों को परिवार या करीबी दोस्तों के साथ बांटकर मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। परंतु डिजिटल युग में इस आदत का टूटना, बच्चों को अकेला और असहाय महसूस कराता है।आज के बच्चे अपनी दोस्ती को ह्यफॉलोअर्सह्ण, ह्यलाइक्सह्ण और ह्यकमेंट्सह्ण तक सीमित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो मित्रता होती है, वह अक्सर सतही और अस्थायी होती है। आभासी मित्रों से मिलने वाली स्वीकार्यता अस्थायी संतुष्टि देती है, लेकिन असली जीवन के कठिन समय में वे समर्थन नहीं दे पाते। गेमिंग की दुनिया में बच्चे जीतने के लिए कई बार आपस में लड़ते हैं, झूठ बोलते हैं या अनैतिक रास्ते अपनाते हैं। यह उनकी नैतिकता और व्यवहार को प्रभावित करता है। खेलों की इस प्रतिस्पर्धा में बच्चों का आपसी प्रेम और सम्मान कम होता जा रहा है।बच्चों के इस डिजिटल मोह को समझना और नियंत्रित करना आज माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी रुचियों को समझें और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। उन्हें चाहिए कि वे बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग पर नजर रखें और उचित समय सीमा तय करें। स्कूलों में भी डिजिटल लत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम होने चाहिए, जहाँ बच्चों को डिजिटल संतुलन का महत्व समझाया जाए। बच्चों को प्राकृतिक खेलों, कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उनका मानसिक विकास स्वस्थ हो।सांस्कृतिक और सामाजिक बदलाव की जरूरतयह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर की नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की भी मांग करती है।

इतिहास से छेड़छाड़ में देश का नुकसान

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन काल की नयी तस्वीर पेश की गई है। इसके जरिए विद्यार्थियों को समझाया जा रहा है कि यह इतिहास का अंधेरा दौर था। किताब में बाकायदा एक अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर दिया गया है, जिसमें लिखा है कि 'इतिहास के अंधेरे दौर' के लिए आज किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। यह अस्वीकरण काफी अहमकाना लगता है, क्योंकि इतिहास और वह भी सदियों पुराने इतिहास के लिए तो यूं भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जो कुछ अतीत में घटा है, उसका तार्किक विश्लेषण करना, और गलतियों को न दोहराने का सबक लेना, इस मकसद के साथ इतिहास का पाठ किया जाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब इतिहास को संतुलित और संवेदनशील तरीके से पढ़ाया जाए। इतिहास इस अर्थ में जटिल होता है कि वहां अच्छे और बुरे, सही और गलत का सीधा विभाजन नहीं होता, इनके बीच कई ऐसे मुकाम होते हैं, जहां हालात घटनाओं की व्याख्या करते हैं। कभी कोई राजा अपना राज्य बचाने के लिए क्रूरता का सहारा लेता है और कभी किसी राजा की अकर्मण्यहीनता में प्रजा पिसती है। हिंसा, रक्तपात, कत्लेआम, इंसानों की सामान की तरह तिजारत ऐसी कई अमानवीय घटनाएं भारत समेत पूरे विश्व इतिहास में दर्ज हैं। खासकर मध्ययुग का इतिहास तो इन्हीं से अटा पड़ा है, क्योंकि तब तक इंसान ने सभ्यता और विकास के मायने समझ लिए थे। आग और पहिए के आविष्कार के बाद अन्य पशुओं से आगे इंसान निकल गया तो उसके जीवन में व्यापार, धर्म और सियासत के लिए जगह बनने लगी। उस दौर में न कोई संविधान था, न आज की तरह का लोकतंत्र था, इसलिए नैतिकता के मापदंड भी अलग थे। तब की घटनाओं की व्याख्या आज के परिप्रेक्ष्य में नहीं की जा सकती। मगर मोदी सरकार इस काम को भी मुमकिन बनाने में लगी है। दरअसल 2014 के बाद इतिहास के पुनर्लेखन पर ऐलानिया काम शुरू हो चुका है। इससे पहले जब भाजपा विपक्ष में थी, या उससे पहले जब बाजपेयी सरकार थी, तब भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच के मुताबिक ही भारतीय इतिहास का भगवाकरण करने की चाह भाजपा की रही, लेकिन उसे अमल में लाने का दुस्साहस कभी नहीं हुआ। अब चूंकि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल चल रहा है, तो भाजपा को यह गुमान है कि उसकी सत्ता भारत में स्थायी हो चुकी है, इसलिए अब इतिहास को बदलने पर काम शुरू हो गया है। एनसीईआरटी की किताबों को इसका जरिया बनाया गया है। क्योंकि इसके जरिए नयी पीढ़ी के दिमाग में जहर बोने का काम आसानी से होगा। कोई आरोप लगाए तो उसे किताब का डिस्क्लेमर दिखाया जाएगा। 2025-26 सत्र के लिए प्रकाशित की गयी कक्षा 8 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉड (भाग 1) में बाबर, अकबर, औरंगजेब सभी को बेहद क्रूर, निर्दयी शासकों की तरह पेश किया गया है, जिन्होंने हिंदुओं के मंदिर तोड़े, उन पर जजिया कर लगाया और औरतों-बच्चों को बेरहमी से मारा। इसलिए इस पूरे काल के लिए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

ढाका के विजेता: जिन्होंने दक्षिण एशिया का नक्शा बदल दिया

14 जुलाई, भारत की सैन्य गाथा में वह तिथि है जब लेफ्टिनेंट जनरल संगत सिंह राठौड़, पीवीएसएम जैसे महान सपूत ने इस धरती पर जन्म लिया। राजस्थान की वीरभूमि में जन्मे राठौड़ न केवल भारतीय सेना के एक कुशल सेनापति थे बल्कि 1971 के युद्ध में ढाका पर विजय के सूत्रधार भी थे – एक ऐसा निर्णायक क्षण जिसने न सिर्फ युद्ध का रुख बदला, बल्कि दक्षिण एशिया का भूगोल और इतिहास दोनों ही पुनः परिभाषित कर दिया। उनकी जन्म जयंती के अवसर पर आज हम उन्हें स्मरण करते हैं – एक ऐसे जनरल के रूप में, जिन्होंने चुपचाप युद्ध जीतकर इतिहास रचा, और राष्ट्र को एक स्थायी गौरव प्रदान किया। 1971 का साल भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में विभाजन के बाद सबसे क्रांतिकारी सालों में से एक था। पाकिस्तान के पूर्वी हिस्से में सेना द्वारा किए गए अत्याचारों के कारण लगभग 1 करोड़ से अधिक बांग्लादेशी नागरिक भारत में शरण लेने को मजबूर हुए। भारत पर आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा संकट आ खड़ा हुआ। इस स्थिति ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को नीतिगत हस्तक्षेप के लिए बाध्य किया। भारत ने युद्ध का रास्ता चुना, और पूर्वी मोर्चे पर, लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा की कमान में तीन कोर बनाए गए। इनमें से एक, क्स कोर के अधीन, 57 माउंटेन डिवीजन की कमान संभाल रहे थे मेजर जनरल संगत सिंह राठौड़।

राठौड़ को पूर्वी पाकिस्तान के ब्रह्मनबरिया, सिलहट, और आखौरा जैसे सामरिक क्षेत्रों में घुसपैठ कर ढाका की दिशा में बढ़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने दुश्मन को भ्रमित करने के लिए पारंपरिक तरीकों को त्याग कर नवीन रणनीतियाँ अपनाईं।

सबसे उल्लेखनीय था – मेघना हेली ब्रिज ऑपरेशन, जिसमें राठौड़ की सेनाओं ने भारतीय वायुसेना के टक-4 हेलीकॉप्टरों की मदद से नदी पार करने के लिए हवाई पुल बनाया। इस अभूतपूर्व कदम ने न केवल दुश्मन को चौंका दिया बल्कि भारतीय सेना को असाधारण गति प्रदान की। इस ऑपरेशन के तहत मात्र 36 घंटों में 7000 से अधिक सैनिकों को पार करवाया गया, जबकि सामान्य स्थितियों में यह एक सप्ताह का काम होता। इसके तुरंत बाद, उन्होंने बैराब बाजार और अशुगंज जैसे क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया – जो ढाका के रास्ते में अंतिम बाधाएं थीं।

16 दिसंबर 1971, ढाका में भारतीय सेना के सामने पाकिस्तानी जनरल ए.ए.के. नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा सैन्य समर्पण था। राठौड़ की सेना, जो ढाका की ओर सबसे तेजी से बढ़ी थी, उसमें से पहली यूनिट थी जो ढाका में घुसी और नियंत्रण संभाला। इतिहास में यह घटना महज एक सैनिक विजय नहीं, बल्कि एक जन-क्रांति की सैन्य परिणति थी। बांग्लादेश का जन्म हुआ, और एक नए लोकतांत्रिक राष्ट्र की नींव रखी गई। एक सच्चा जनरल, जो पोस्टर पर नहीं, जमीन पर खड़ा था

जनरल संगत सिंह राठौड़ को उनके अद्वितीय नेतृत्व और सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल (ढश्रट) से नवाजा गया। उन्होंने एक बार कहा था – यदि युद्ध में कोई सबसे अधिक खतरे में होता है, तो वह कमांडर होना चाहिए। क्योंकि शांति के लिए सबसे भारी कीमत वही चुकाता है, जो दूसरों को बचाने का फैसला करता है।

एक रणनीतिक सोच का विद्यालय

आज जब हम सैन्य रणनीति, युद्ध नीति और राष्ट्र निर्माण की बात करते हैं, तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संगत सिंह राठौड़ जैसे सेनापति ने यह सिद्ध किया कि कम समय, सीमित संसाधन और सीमित समर्थन में भी युद्ध जीता जा सकता है – यदि नेतृत्व स्पष्ट, साहसी और नैतिक हो। उनकी रणनीति आज भी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, आर्मी वॉर कॉलेज, और मिलिट्री स्टाफ कॉलेज में पढ़ाई जाती है – खासकर संयुक्त संचालन और तेजी से बढ़ते अभियानों के संदर्भ में। आज जब हम उनकी जन्म जयंती पर उन्हें याद कर रहे हैं, तो एक गंभीर प्रश्न भी उठता है – क्या हमारी स्मृति में ऐसे नायकों के लिए पर्याप्त स्थान है? क्या स्कूलों, विश्वविद्यालयों और मीडिया में राठौड़ जैसे योद्धाओं का उल्लेख होता है?

ढाका जीतने वाले जनरल को शायद ही आम जनता जानती हो, और यह विडंबना है कि ऐसे वीर को भूलना, इतिहास को खुद से काटने जैसा है।

लेफ्टिनेंट जनरल संगत सिंह राठौड़ केवल एक सैन्य अधिकारी नहीं थे. वे संघर्ष से राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया का प्रतीक थे। राजस्थान की मिट्टी ने उन्हें जन्म दिया, भारत माता ने उन्हें अपना प्रहरी बनाया, और इतिहास ने उन्हें अमर कर दिया।उनकी स्मृति में सच्चा सम्मान यही होगा कि हम उनकी कहानी आने वाली पीढ़ियों को सुनाएं, ताकि हर युवा जान सके – देशप्रेम केवल नारे नहीं, बल्कि निर्णय होते हैं; और इतिहास केवल किताबों में नहीं, मैदान में लिखा जाता है।

श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नही चिंतन की आवश्यकता

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं' निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों' मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके' कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है' निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है' जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है' बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं' सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं' मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा

की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए ' यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है' यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है' मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए'इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है' और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है' भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है'ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।

परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता।

उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता'

संजीव स्तंभकार, चिंतक लेखक, टिप्पणीकार,रायपुर छत्तीसगढ़, 9

मोक्ष 2.0: अब आत्मा भी ऑनलाइन है!

डॉ. सुरेश कुमार

धर्मराज का दरबार अब वैसा नहीं रहा जैसा पुराणों में वर्णित था। अब वहाँ न नरक की आग जलती है, न स्वर्ग की वीणा बजती है। वहाँ अब वाई-फाई राउटर लगे हैं, और यमदूतों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि मृतक का स्मार्टफोन होता है। चित्रगुप्त बेचारे अब रजिस्टर नहीं खोलते, बल्कि क्लाउड सर्वर पर डेटा एक्सेस करते हैं–पर लॉगिन हमेशा फेल हो जाता है। शायद पासवर्ड मोक्ष123 था, जो किसी यमदूत ने बदल दिया। एक दिन एक यमदूत हाँफते हुए आया, हाथ में एक टूटा हुआ स्मार्टफोन था, जिस पर टेम्पर ग्लास भी नहीं था। चेहरे पर चिंता, आँखों में नेटवर्क की तलाश। बोला, महाराज! एक जीव मोहन गायब हो गया है। एप्पल स्टोर के बाहर बैठा था। मैंने सोचा, शायद नया आईफोन लेने गया होगा, पर वो तो सेकंड हैंड भी नहीं ले सकता था। दफ कोड लेकर भीख माँगता था–डिजिटल भिखारी! धर्मराज, जो अब यम-टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सीईओ बन चुके थे, अपने गोल्ड-प्लेटेड टैबलेट पर क्रिप्टोकरेंसी के भाव देखते हुए बोले, कहाँ था ये जीव? सोशल मीडिया पर ट्रेडिंग कर रहा था या किसी ऑनलाइन गेम में फंसा था?

यमदूत ने सिर खुजाते हुए कहा, महाराज, ये जीव हर सुबह नेटवर्क टावर के नीचे जाकर बैठता था ताकि सिग्नल मिले। पाँच दिन पहले इसका सिग्नल कट गया। मैंने सोचा नेटवर्क इश्यू होगा, पर जब इसकी बॉडी मिली, तो पता चला कि ये डेड हो गया है, लेकिन इसका जीव अभी भी ऑनलाइन है! नारद मुनि, जो अपनी रील्स बना रहे थे, चौंक कर बोले, क्या! ऑनलाइन है? कहीं किसी फर्जी स्कीम में तो नहीं फंसा? आजकल ऑनलाइन ठगी बहुत चल रही है। यमदूत बोला, नहीं महाराज, ये तो मोबाइल रिचार्ज की दुकान पर बैठा था। डेटा पैक खत्म हो गया था। अचानक एक ऐप डाउनलोड हो गया, और उसमें एक वॉइस मैसेज आया–आपकी मृत्यु हो चुकी है, कृपया मोक्ष प्राप्ति के लिए 9999999999 पर कॉल करें! जैसे ही इसने डायल किया, नेटवर्क चला गया और जीव गायब! चित्रगुप्त ने सिर हिलाया, महाराज, आजकल डिजिटल अवेयरनेस की कमी है। लोग फ्री के चक्कर में अपना सब कुछ डाउनलोड कर लेते हैं। इस मोहन के बैंक पासबुक में सिर्फ 5 रुपये थे, पर स्मार्टफोन में 500 जीबी का डेटा था–वायरल वीडियो और शॉर्ट्स से भरा हुआ। उसकी आखिरी इच्छा थी कि मरने से पहले एक शॉर्ट वीडियो बनाए, जिसमें वह अपनी गरीबी दिखा सके, ताकि वायरल हो जाए और कुछ डोनेशन मिल जाए।

नारद ने अपनी रील्स बनाना बंद कर दिया। उन्हें लगा, ये आधुनिक मनुष्य की कैसी दासता है, जहाँ मोक्ष भी नेटवर्क कनेक्टिविटी पर निर्भर है। अब मोहन का जीव क्लाउड सर्वर में एक फाइल बन चुका था। वहीं से आवाज दे रहा था, कौन है? रीचार्ज वाला है? मेरी नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं आ रही। मैंने एक शॉर्ट वीडियो अपलोड किया था, वो वायरल हुआ या नहीं? मेरी पेंशन का क्या हुआ? मैंने ऑनलाइन फॉर्म भरा था।

चित्रगुप्त ने मोहन की फाइल खोली। लिखा था: मोहन–डिजिटल भिखारी। लोकेशन: चौराहा। प्रोफेशन: दफ कोड से भीख। ड्रीम: वायरल होना। मोक्ष की इच्छा: एक अच्छा डेटा पैक।

धर्मराज ने गहरी साँस ली। बोले, ये कैसी त्रासदी है जहाँ आत्मा भी डिजिटल हो गई है। अब तो यमलोक में भी नेटवर्क की मांग होने लगी है। अगले बजट में हमें 5जी टावर लगवाने पड़ेंगे।

नारद की आँखों से आँसू बहने लगे। उन्हें लगा, भूख तो पेट की होती है, पर डिजिटल भूख आत्मा को खा जाती है। मोहन का जीव उस सॉफ्टवेयर में लूप कर रहा था, जहाँ पेंशन की जगह सिर्फ नोटिफिकेशन आ रहे थे, और मोक्ष की जगह डाउनलोड फेल का मैसेज।

धर्मराज ने आदेश दिया, चित्रगुप्त! मोहन को मोक्ष नहीं, डिजिटल डिटॉक्स दो। उसे एक महीने के लिए बिना इंटरनेट के रखो। अगर जीव फिर भी परेशान रहे, तो उसे यमलोक का फ्री वाई-फाई दे देना।

चित्रगुप्त ने कहा, महाराज, पर फ्री वाई-फाई से तो आत्मा फिर से वायरल होने की कोशिश करेगी।

धर्मराज बोले, तो फिर उसे एयरप्लेन मोड में डाल दो। कम से कम आत्मा को थोड़ी शांति मिलेगी।

नारद ने कहा, महाराज, ये तो आत्मा की हत्या है। आत्मा को एयरप्लेन मोड में डालना मतलब उसे दुनिया से काट देना।

धर्मराज ने मुस्कराते हुए कहा, नारद, आजकल आत्मा को मोक्ष नहीं चाहिए, उसे नेटवर्क चाहिए। और जब तक नेटवर्क है, तब तक आत्मा अधूरी है।

और तभी मोहन की आत्मा ने एक नया स्टेटस अपडेट किया:फीलिंग लॉस्ट` सर्चिंग फॉर सिग्नल` नीड

अमेरिका 150 से ज्यादा देशों पर एक समान टैरिफ दर लागू करेगाः ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 150 से ज्यादा देशों पर 'यूनिफाइड टैरिफ रेट' लागू करने जा रहे हैं। नई टैरिफ दरों की जानकारी के लिए इन देशों को पत्र भेजा जाएगा। 'व्हाइट हाउस' में बहरीन के क्राउन प्रिंस सलमान बिन हमद अल खलीफा के साथ बातचीत के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, उस ग्रुप में सबके लिए सब कुछ एक जैसा ही होगा। समाचार एजेंसी ने पोलिटिको के हवाले से बताया कि अप्रैल में, ट्रंप प्रशासन ने द्विपक्षीय समझौतों के दायरे में न आने वाली अर्थव्यवस्थाओं पर 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ लागू किया था। हालांकि, ट्रंप ने पहले सुझाव दिया था कि नई बेसलाइन को 15 प्रतिशत या 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने कोई नई दर तय नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने पहले ही लगभग दो दर्जन देशों को पत्र भेज दिए हैं। इनमें यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। इन्हें 1 अगस्त से लागू होने वाली टैरिफ दरों की जानकारी दी गई है। इस घोषणा के बाद प्रभावित व्यापारिक साझेदारों के साथ अधिक अनुकूल शर्तों के लिए बातचीत तेज हो गई है। हालांकि, विश्लेषकों और पर्यवेक्षकों ने इस बात पर संदेह जताया है कि नई टैरिफ योजना 1 अगस्त से नियोजित रूप में लागू हो पाएगी या नहीं, क्योंकि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और घरेलू राजनीति पर संभावित प्रभाव को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने बस को बनाया निशाना, मशहूर कव्वाल अहमद हुसैन साबरी समेत तीन की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के कलात के बाहरी इलाके में यात्री बस पर हुए आतंकी हमले में कराची के दो कव्वालों सहित तीन लोगों की जान चली गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में मशहूर कव्वाल अहमद हुसैन साबरी और उनके बेटे अहमद रजा साबरी शामिल हैं। यह लोग अन्य संगीतकारों के साथ क्वेटा जा रहे थे। डान समाचार पत्र के अनुसार, कराची के मशहूर कव्वाल माजिद अली साबरी ने फोन पर बताया, सशस्त्र हमले में मेरे भाई, भतीजे और एक संगीतकार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह लोग एक शादी समारोह में प्रस्तुति देने के लिए क्वेटा जा रहे थे। कव्वालों की बुकिंग कराने वाले इम्तियाज लहरी के अनुसार, कव्वाल माजिद साबरी को गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ हवाई जहाज से क्वेटा आना था।उनके लिए होटल में कमरा बुक कराया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी नेमारघ इलाके में क्वेटा-कराची राजमार्ग के दोनों ओर घात लगाए बैठे थे। उन्होंने हमले में स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। एक अधिकारी ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा, आतंकियों ने पहले बस को रोका और फिर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इजरायली एयर स्ट्राइक के बाद स्वैदा में सीजफायर, सीरिया ने वापस बुलाए सैनिक

दमिश्क । दक्षिणी सीरिया में पांच दिनों तक चले संघर्ष के बाद सीरिया ने सीजफायर पर सहमति जताई है। इसी के साथ उसने स्वैदा शहर से अपनी सेना को वापस बुलाना शुरू कर दिया। इस बीच सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों और उनके अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसका ऐलान किया। उन्होंने एक्स पोस्ट पर कहा, पिछले सप्ताह के आखिर से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में शामिल पक्ष युद्धविराम के लिए विशिष्ट कदमों पर सहमत हो गए हैं। इससे आज रात इस परेशान करने वाली और भयावह स्थिति का अंत हो जाएगा। इसके लिए सभी पक्षों को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा और हम उनसे यही अपेक्षा करते हैं।इससे पहले दमिश्क पर इजराइली एयरस्ट्राइक के बाद अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, हम आपको किसी बाहरी पक्ष के हाथों में सौंपने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं।

हंगरी ने यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों पर ईयू से प्रतिबंध लगाने की मांग की, जबरन भर्ती में उत्पीड़न के आरोप

बुडापेस्ट। हंगरी ने यूरोपीय संघ (ईयू) से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन के तीन वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को प्रतिबंध सूची में शामिल करे। यह मांग यूक्रेन में कथित रूप से जबरन सैन्य भर्ती (कंसक्रिप्शन) के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन और हिंसा के आरोपों के मद्देनजर की गई है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस प्रस्ताव की जानकारी देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है, वे यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों में भर्ती अभियानों की निगरानी कर रहे हैं। यह कदम विशेष रूप से ट्रांसकारपाथिया क्षेत्र में एक जातीय हंगेरियाई व्यक्ति जोसेफ एस. की मौत के बाद उठाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई की शुरुआत में जबरन भर्ती के एक अभियान के दौरान उसे पकड़कर कथित रूप से लोहे की रॉड से पीटा गया, जिससे बाद में उसकी मौत हो गई। विदेश मंत्री सिज्जार्टो ने यूरोप की काउंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, यूक्रेन की सड़कों पर भर्ती के नाम पर जो हो रहा है।

बांग्लादेश के गोपालगंज में हिंसा, आगजनी, चार की मौत, हालात बिगड़े, कर्फ्यू लगाया गया

एजेंसी

ढाका। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सुलग रहे बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। गोपालगंज में कल आगजनी और हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यहां जम्मू विद्रोह के नेताओं की राजनीतिक गतिविधियों से जनता में असंतोष फैल गया। बिगड़ती स्थिति के बीच गोपालगंज जिला मुख्यालय में कर्फ्यू लगा दिया गया। गोपालगंज में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। बख्तरबंद गाड़ियां शहर में गश्त कर रही हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, जम्मू विद्रोह के बड़े नेता और अंतरिम सरकार का हिस्सा रहे नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) संयोजक नाहिद इस्लाम ने कर्फ्यू के बीच राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। कल एनसीपी की रैली को लेकर अवामी लीग

कार्यकर्ताओं और कानून प्रवर्तकों के बीच हुई हिंसा से उपजे तनाव को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगा दिया। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग के एक बयान के अनुसार, कर्फ्यू गुरुवार शाम 6 बजे तक लागू रहेगा। अगर हालात नहीं सुधरते तो इसकी मियाद बढ़ाई जा सकती है। गोपालगंज शहर में दिनभर अशांति रही। नाहिद की पार्टी की रैली के दौरान अवामी लीग, उसकी छात्र शाखा छात्र लीग और अन्य संबद्ध संगठनों के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर कब्जा कर लिया। जगह-जगह लाठियां भांजीं और पथराव किया। सेना, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की चार प्लाटून ने भी स्थिति को नहीं संभाल पाई। आखिर में उपायुक्त मुहम्मद कमरुज्जमां ने गोपालगंज सदर में धारा 144 लागू करने की घोषणा की। अंतरिम सरकार ने गोपालगंज हिंसा को पूरी तरह से अक्षम्य बताया है।एनसीपी की रैली पर हुए हमले पर सरकार ने कहा, देश में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

रात 9:30 बजे खुलना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) संयोजक नाहिद इस्लाम ने अवामी लीग और उसके प्रतिबंधित सहयोगियों पर जान से मारने के इरादे से आतंकवादी शैली का हमला करने का आरोप लगाया। एनसीपी ने हमले के विरोध में गुरुवार को देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की।

इराक में हाइपरमार्केट में भीषण आग, 50 की मौत

एजेंसी

बगदाद । इराक के वासित प्रांत में एक हाइपरमार्केट में भीषण आग लगने से लगभग 50 लोगों की मौत हो गई। वासित के गवर्नर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वासित के गवर्नर मोहम्मद जमील अल-मायाही ने मध्य कुत में हुई दुखद आग की घटना के बाद तीन दिन के शोक की घोषणा की है। यह घटना उस वक्त की है जब लोग खाना खा रहे थे और खरीदारी कर रहे थे। इस हादसे में बच्चों समेत लगभग 50 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लापता लोगों की तलाश जारी है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। राज्य की इराकी समाचार एजेंसी (आईएनए) से बात करते हुए गवर्नर अल-मायाही ने दुख जताते हुए कहा, हम अपने कई बेटे-बेटियों के खोने का शोक मना रहे हैं। यह कुत शहर और पूरे वासित प्रांत के लोगों के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है। उन्होंने इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि इमारत और मॉल मालिकों के साथ-साथ अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही उन्होंने वादा किया कि प्रारंभिक जांच के नतीजे 48 घंटों के भीतर सार्वजनिक कर दिए जाएंगे।

गवर्नर ने कहा कि हम इस घटना के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लोगों के प्रति कोई नरमी नहीं बरतेंगे। वासित पुलिस कमांड ने कॉर्निश हाइपरमार्केट में लगी आग से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा इकाइयों को पूरी तरह तैनात रहने को कहा है। गवर्नर अल-मायाही ने बचाव कार्यों की निगरानी की, जबकि आपातकालीन टीमें पांच मंजिला इमारत के अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए काम कर रही थीं।

ट्रंप का आग्रह कोका कोला ने माना, मिठास के लिए अब गन्ने का प्रयोग होगा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कोका कोला कंपनी ने उनके आग्रह को मान लिया है। कोका कोला कंपनी अमेरिका में अपने प्रमुख पेय में मिठास के लिए असली गन्ने की चीनी का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने इसके लिए कोका कोला कंपनी के अधिकारियों का आभार जताया है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट द हिल ने यह जानकारी दी। द हिल के अनुसार, ट्रंप ने सोशल ट्रुथ में कहा, 'मैंने अमेरिका में कोक में असली गन्ने की चीनी के इस्तेमाल के बारे में कोका कोला से बात की है। उन्होंने ऐसा करने पर सहमति जताई है। मैं कोका-कोला के सभी अधिकारियों का धन्यवाद करना चाहता हूं। आप देखेंगे, यह उनका एक बहुत अच्छा कदम होगा। ऐसा होने से कोका कोला और बेहतर होगा। इस पर कोका कोला ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे प्रतिष्ठित कोका कोला ब्रांड के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप का उत्साह सराहनीय है। कोका कोला

के नए उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप को डाइट कोक का शौक रहा है। ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके पास ओवल ऑफिस में एक बटन था। इससे कोका कोला में सोडा मिलाने में मदद मिलती थी। तब ट्रंप एक दिन में डाइट कोक के 12 कैन पी जाते थे। ट्रंप के लंबे समय से सहयोगी मार्गो मार्टिन के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह से पहले ट्रंप को कोका कोला की सीईओ ने पहली बार राष्ट्रपति पद के स्मारक उद्घाटन समारोह के लिए डाइट कोक प्रदान किया था।

अमेरिकी राजदूत ने फिलीस्तीनी क्षेत्रों से संबंधित बिल पर आयरलैंड को 'होश में आने' की दी नसीहत

एजेंसी

जेरूसलम/डबलिन। इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने आयरलैंड की संसद में प्रस्तावित उस विधेयक को लेकर कड़ी आलोचना की है, जिसमें अवैध इजराइली बस्तियों से व्यापार पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। हकाबी ने आयरलैंड को 'राजनयिक नशे में चूर' बताते हुए विवादास्पद टिप्पणी की, जिससे कूटनीतिक संबंधों में तनाव के संकेत मिल रहे हैं। हकाबी ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, 'क्या आयरिश लोग गिनीज के पीपे में गिर गए और इतना मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव रख दिया कि वह 'डिप्लोमैटिक इंटॉक्सिकेशन' कहलाए? होश में आओ आयरलैंड!' इस टिप्पणी को कई विशेषज्ञों और समूहों ने आयरिश समुदाय पर सांस्कृतिक अपमान की तरह देखा है। वहीं अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भी कहा कि यह बिल 'अमेरिका में अच्छी तरह से नहीं लिया जाएगा'और 'नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। आयरलैंड की संसद (ओइराक्टस) में इस सप्ताह विदेशी मामलों और व्यापार पर

समिति ने 'इजराइली अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र से माल के आयात पर रोक' विधेयक 2025 पर विचार-विमर्श किया। यह बिल, जिसे पहली बार 2018 में पेश किया गया था, अब गाजा युद्ध के बाद फिर से चर्चा में आया है। अगर यह पारित हो जाता है, तो यह बिल यूरोपीय संघ का पहला ऐसा कानून होगा जो इजराइली बस्तियों से व्यापार को कानूनी रूप से प्रतिबंधित करेगा। प्रधानमंत्री मिशेल मार्टिन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम 'प्रतीकात्मक' है, जिसका उद्देश्य गाजा और वेस्ट बैंक में मानवीय संकट पर ध्यान आकर्षित करना है। उन्होंने कहा, यह सरकार की उस व्यापक नीति का हिस्सा है, जो गाजा और वेस्ट बैंक में हिंसा और मानवीय त्रासदी को समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है।

अलास्का के ल्यूशियन द्वीप समूह में 7.3 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का खतरा टला

एजेंसी

वाशिंगटन। उत्तर अमेरिका के पश्चिमोत्तरी सीमा पर स्थित अलास्का प्रांत का ल्यूशियन द्वीप समूह बुधवार दोपहर भूकंप के तेज झटकों से हिल गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.3 दर्ज की गई। इसके बाद अलास्का तट के बड़े हिस्से पर कई घंटों तक सुनामी की आशंका के मद्देनजर नजर रखी गई। एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुनामी की चेतावनी को बाद में परामर्श में बदल दिया गया। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:38 बजे (पूर्वी समयानुसार शाम 4:38 बजे) आया और इसका केंद्र पोपोफ द्वीप पर स्थित सैंड पॉइंट से 55 मील दक्षिण में था। इसकी गहराई 12 मील थी। सतर्क रहने के लिए जारी परामर्श में अल्यूशियन द्वीप समूह में

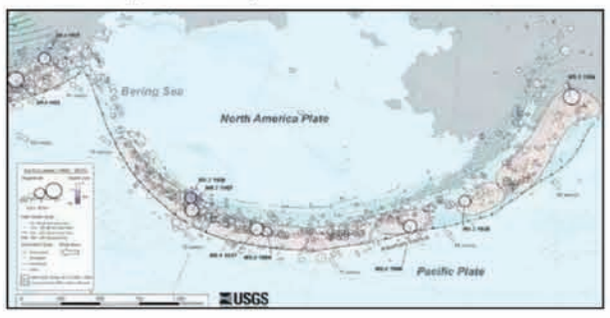

यूनिमक दर्रे से लेकर कैनेडी प्रवेश द्वार तक का हिस्सा शामिल किया गया। लगभग 5,500 की आबादी वाले शहर कोडियाक में आपातकालीन अधिकारियों ने घोषणा की कि भयभीत होने की जरूरत नहीं है। अगर सुनामी आती है तो आश्रय स्थल खोल दिए जाएंगे और सायरन बजाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 2:45 बजे सुनामी का खतरा टल गया। सैंड पॉइंट की नगर प्रशासक डेबी श्मिट ने बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। उन्होंने कहा, मैं दोपहर के भोजन के लिए घर पर थी। घर हिल रहा था। सामान गिर रहा था। अलमारियों के दरवाजे खुल रहे थे। हालांकि, कोई नुकसान नहीं हुआ। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार 1900 से इस क्षेत्र में 12 शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। 7 मई, 1996 को 8.0, 10 जून, 1996 को 7.9, 17 नवंबर, 2003 को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पहला सबसे शक्तिशाली भूकंप 17 अगस्त, 1906 को पश्चिमी अल्यूशियन चाप में अमचिटका द्वीप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.3 दर्ज की गई थी। इसके बाद 10 नवंबर, 1938 को शुमागिन द्वीप पर 8.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप ने कोडियाक द्वीप के दक्षिणी छोर से शुमागिन द्वीप समूह के उत्तरी छोर तक लगभग 300 किलोमीटर लंबे हिस्से को तहस-नहस कर दिया था।

सीरिया में ड्रूज समुदाय और सरकार के बीच नया संघर्षविराम घोषित, इजराइली हस्तक्षेप के बाद उठाया गया

एजेंसी

दमिश्क। सीरियाई सरकार और देश के प्रमुख धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय ड्रूज के नेताओं ने एक नया संघर्षविराम घोषित किया है। यह कदम दक्षिण सीरिया में कई दिनों तक चले खूनी संघर्ष और इजराइल द्वारा दमिश्क पर किए गए हवाई हमलों के बाद उठाया गया है।

सीरियाई गृह मंत्रालय द्वारा इस संघर्षविराम की घोषणा की गई। वहीं एक वरिष्ठ ड्रूज धार्मिक नेता द्वारा भी वीडियो संदेश में इसकी पुष्टि की गई। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह नया समझौता पहले की तरह जल्द ही टूट जाएगा या प्रभावी रहेगा। ड्रूज़ समुदाय के प्रमुख धर्मगुरु शेख हिकमत अल-हिजरी ने इस संघर्षविराम से खुद को अलग कर लिया है, जिससे इसकी वैधता और दीर्घकालिकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। संघर्ष की शुरुआत दक्षिणी प्रांत में स्थानीय सुन्नी बदूइन जनजातियों और ड्रूज सशस्त्र गुटों के बीच अपहरण और हमलों की श्रृंखला से हुई थी। जब सरकार ने शांति बहाल करने के लिए हस्तक्षेप किया, तो उसे ड्रूज़ लड़ाकों से भिड़ना पड़ा। इजराइल ने हालिया हिंसा के बीच दमिश्क के केंद्र में दुर्लभ और आक्रामक हवाई हमले किए। उसने इन हमलों को ड्रूज समुदाय की सुरक्षा और इस्लामी उग्रवादियों को सीमाओं से दूर रखने की रणनीति बताया। गौरतलब है कि ड्रूज समुदाय सीरिया और इजराइल दोनों में एक महत्वपूर्ण संख्या में मौजूद है और इजराइल में उन्हें एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है, जिनमें से कई सेना में भी सेवा करते हैं।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में नया खुलासा, कैप्टन ने ही दोनों इंजन के स्विच बंद किए

एजेंसी

वाशिंगटन। पिछले महीने भारत के अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया के विमान दुर्घटना की जांच में नया खुलासा हुआ है। इस खुलासे से जांच के केंद्र में कॉकपिट में बैठे वरिष्ठ पायलट आ गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने दुर्घटना की जांच में अब तक सामने आए साक्ष्यों और इस खुलासे से परिचित लोगों के आधार पर कहा कि विमान के दो पायलटों के बीच बातचीत की ब्लैक-बॉक्स रिकॉर्डिंग से संकेत मिला है कि कैप्टन ने ही विमान के दोनों इंजनों में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करने वाले स्विच बंद किए थे। द वाल स्ट्रीट जर्नल अखबार की इस 'विशेष खबर' के आधार पर दुनिया भर के संचार माध्यमों ने यह खुलासा प्रसारित और प्रकाशित किया है। पिछले माह 12 जून को

अहमदाबाद में टेकऑफ के 32 सेकंड के भीतर दुर्घटना का शिकार हुई एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की जांच के दौरान हुए इस खुलासे से नए सवाल खड़े हो गए हैं। इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे।

विशेष खबर के अनुसार, ब्लैक-बॉक्स रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि बोइंग को उड़ा रहे फर्स्ट ऑफिसर ने 787 ड्रीमलाइनर का नया टैब खोला और अपने से अधिक अनुभवी दूसरे कैप्टन से पूछा कि रन-वे से उतरने के बाद उन्होंने स्विच को कटऑफ स्थिति में क्यों रखा? द वाल स्ट्रीट जर्नल का दावा है कि भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, बोइंग और एयर इंडिया ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसमें शामिल दो पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। इनके पास क्रमशः 15,638 घंटे और 3,403 घंटे का उड़ान अनुभव था। विशेष खबर में कहा गया है कि भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की पिछले सप्ताह जारी प्रारंभिक रिपोर्ट में दुर्घटना से कुछ समय पहले कॉकपिट में भ्रम की स्थिति दिखाई गई थी और महत्वपूर्ण इंजन ईंधन कटऑफ स्विच की स्थिति पर नए सवाल खड़े किए गए थे।

नेतन्याहू को बड़ा झटकाः एक और सहयोगी पार्टी गठबंधन से अलग, इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता गहराई

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब उनकी प्रमुख गठबंधन सहयोगी पार्टी 'शास' ने सरकार से अलग होने की घोषणा कर दी। इस कदम के बाद नेतन्याहू की सरकार संसद में अल्पमत में आ गई है, वो भी ऐसे समय में जब देश पहले से ही कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। शास पार्टी, जो कि इजराइली राजनीति में लंबे समय से किंगमेकर की भूमिका निभाती आई है, ने सरकार द्वारा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लिए सैन्य सेवा से छूट देने वाले कानून को लागू न करने पर नाराजगी जताते हुए इस्तीफे का फैसला किया।पार्टी के मंत्री माइकल मालकीएली ने कहा, वर्तमान स्थिति में सरकार में बने रहना और उसका हिस्सा होना असंभव है। हालांकि, शास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह नेतन्याहू की सरकार को बाहर से अस्थिर नहीं करेगी

और कुछ विधेयकों पर उसका समर्थन जारी रख सकती है, जिससे नेतन्याहू को एक अस्थायी राहत मिल सकती है। इस्तीफे लागू होने के बाद नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के पास अब केवल 50 सीटें बचेंगी, जबकि इजराइली संसद (क्नेसेट) में कुल 120 सीटें हैं। इससे पहले एक अन्य अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडाइज़्म (यूटीजे) ने भी गठबंधन छोड़ दिया था। दोनों ही दल सैन्य भर्ती छूट से जुड़े विवाद पर नाराज थे। शास पार्टी के इस्तीफों को लागू होने में 48 घंटे लगेंगे, जो नेतन्याहू को अपने गठबंधन को फिर से साधने का समय देगा।

दमिश्क पर इजराइली हमले की अमेरिका ने की निंदा, सीरियाई सेना मुख्यालय को भारी नुकसान

एजेंसी

वाशिंगटन। इजराइल द्वारा सीरिया की राजधानी दमिश्क में किए गए एक बड़े हवाई हमले को लेकर अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हमले में सीरियाई सेना के मुख्यालय को गंभीर नुकसान पहुंचा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब दक्षिणी सीरिया के सुवेदा क्षेत्र में सीरियाई सेना और दरोज सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। सुवेदा में संघर्ष विराम टूटने के बाद दोनों पक्षों के बीच लगातार झड़पें जारी हैं। इसी दौरान इजराइली रक्षा बलों ने सीरियाई सेना के काफिलों पर कई सिलसिलेवार हमले किए हैं। इजराइल का कहना है कि वह अल्पसंख्यक दरोज समुदाय की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रहा है। वॉशिंगटन से जारी बयान में अमेरिका ने इस हस्तक्षेप को क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने वाला बताया है और कहा है कि सीरिया की संप्रभुता और आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, हमें इस बात की चिंता है कि ऐसे सैन्य हमले संघर्ष को और भड़का सकते हैं और आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं। वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी कहा कि हम इस मुद्दे पर अभी काम कर रहे हैं। मैंने अभी-अभी संबंधित पक्षों से फोन पर बात की है। हम इसे लेकर बहुत चिंतित हैं और उम्मीद है कि आज बाद में हमें कुछ अपडेट मिलेंगे।

पाकिस्तानी सेना ने बलूच कार्यकर्ता के घर मारा छापा, परिवार के सदस्यों को धमकाया

क्वेटा । मानवाधिकार संस्था, बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) की सदस्य, सम्मी दीन बलूच के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने एक बलूच कार्यकर्ता के घर पर बिना किसी कानूनी आधार के 'अवैध छापेमारी' की। सम्मी ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारी बलूचिस्तान में बीवाईसी कार्यकर्ता साहिबा बलूच के घर में जबरन घुस गए एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, ÷पाकिस्तानी सैन्य बलों ने एक बार फिर न्याय की बजाय धमकी को चुना है।साहिबा के पिता तीन महीने से गायब हैं। आरोप है कि पाकिस्तानी सेना ने ही उन्हें अगवा किया है। एक्स पर साहिबा ने अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा, आज शाम लगभग 7:00 बजे, पाकिस्तान की संघीय पुलिस बल के जवानों ने बिना किसी पूर्व सूचना या कानूनी औचित्य के गांव में हमारे घर पर छापा मारा। मेरे पिता को तीन महीने पहले ही गायब कर दिया गया। उनका एकमात्र ÷अपराध÷ पिता होना है, और मेरा अपराध मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ आवाज उठाना है। छापे के दौरान, मेरे परिवार के सदस्यों को परेशान किया गया और धमकाया गया। साहिबा ने इसे ÷सामूहिक दंड के एक सोचे-समझे तरीके का हिस्सा बताया; उन्होंने कहा कि उद्देश्य उन लोगों में डर और चुप्पी पैदा करना है जो अपनी आवाज उठाने की हिम्मत करते हैं। पोस्ट में कहा गया, आज, जब हम शांतिपूर्ण प्रतिरोध का रास्ता चुन रहे हैं, तो हमें जबरन गायब कर दिया जा रहा है, बदनाम किया जा रहा है और धमकाया जा रहा है। एक-एक करके, हमारी आवाजें दबाई जा रही हैं, और हमें आतंकवादी करार देकर मिटाया जा रहा है। पोस्ट में आगे कहा गया, बलूचिस्तान में हर बच्चे का पालन-पोषण इस उम्मीद के साथ होता है कि एक दिन, वे अपनी जमीन पर शांति देखेंगे। इस संघर्ष को चुराना उस उम्मीद को चुराना है, और ऐसा हम कभी नहीं होने देंगे। साहिबा ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की कि वे अपनी आवाज उठाएं और हिंसा को रोकने में मदद के लिए अपने मंचों का इस्तेमाल करें। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपने पिता और सहयोगियों की तत्काल रिहाई की मांग करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पाकिस्तान अपने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का पालन करे। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन के मानवाधिकार विभाग ने पाकिस्तानी राज्य की मार डालो और फेंक दो नीति का जिक्र करते हुए पांक नाम के बलूच के खिलाफ हिंसा की एक और घटना का उल्लेख किया। बताया कि 13 जुलाई की रात को, बेज्जर बलूच के बेटे गुलाम जान को बलूचिस्तान के अवारन जिले में उनके घर से अगवा किया गया। अंदेशा जताया गया कि ऐसा पाकिस्तानी सेना की शय पर किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि कुछ घंटों बाद, गुलाम का गोलियों से छलनी शव प्रांत के कुली इलाके में मिला था। इसे इलाके में की गई पांचवीं हत्या बताया। पांक ने इस क्रूर कृत्य की कड़ी निंदा की और बलूचिस्तान में चल रहे युद्ध अपराधों और सुनियोजित तरीके से रची गई हिंसा के लिए पाकिस्तानी सेना और उसके छद्म मौत दस्तों को जिम्मेदार ठहराया। बलूचिस्तान के विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने बार-बार प्रांत में पाकिस्तानी सेना की ओर से किए जा रहे दमन को उजागर किया है, जिसमें बलूच नेताओं और नागरिकों के घरों पर हिंसक छापे, गैरकानूनी गिरफ्तारियां, जबरन गायब करना, 'मार डालो और फेंक दो' की नीति, लोक व्यवस्था बनाए रखने के अध्यादेश के तहत नजरबंदी और मनगढ़ंत पुलिस मामले दर्ज करना शामिल है।

काफी सालों से वार्ड नंबर 9 के भूसखलन से 17 पीड़ित परिवारों को सरकार ने भूमि पट्टे दिए

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर अखिरकार नूरपूर के बेटे विधायक रणबीर सिंह निक्का के काफी प्रयासो से नूरपुर नगर परिषद के वार्ड 9 के भूस्खलन से17 पीड़ित परिवारो को काफी सालो के वाद सरकार ने राहत दी इस वात की जानकारी मौजूदा विधायक रणबीर सिंह निक्का ने आज एक भेंट वार्ता मे देते हुए वताया कि कुछ समय पहले पीड़ित परिवारों का एक प्रीति निधिमंडल मंडल इस मामले में मुझे नूरपुर मे भी मिला था' मैं इस मामले में इनको आश्वासन भी दिया था कि आपकी आवाज विधानसभा तक पहुंचायी जाएगी तथा सरकार से आपको न्याय दिलवाया जाएगा 'उन्होंने वताया कि यह मामला विधानसभा सत्र में भी उठाया गया था और मुख्यमंत्री से भी इस मामले में मिले थे' उसके परिणाम स्वरूप उन्होंने सरकार का भी धन्यवाद किया और कहा कि ऐसे17 पीड़ित परिवार जो बारिश के मौसम में बारिश होने से भूस्खलन होने के कारण चिंतित हो जाते थे और अपने पुराने मकान छोड़कर काफी सालो से सरकारी आसियानो में रह रहे थे जहाँ इनका कोई भविष्य नहीं था अब इन परिवारों को सरकार द्वारा स्थाई रूप में भूमि पट्टे इनके नाम करके इन्हे स्थाई पक्का आशियाना बनाने का स्वप्न साकार कर दिया है

जो अति प्रशसिनीय कदम है ' इन 17पीड़ित परिवारो का मनोबल बढ़ा है अभिनय आशा जगी कि सरकार इसमें मदद करेगी ' यह मामला उन्होंने गैर राजनीतिक नजरिये से ऐसे पीड़ितों की आवाज पर उठाया था' इस मामले में 17पीड़ित परिवारो ने नगर परिषद वार्ड नंबर 9 की मौजूदा नगर पार्षदा शिवानी व बीजेपी विधायक रणबीर सिंह निक्का का भी इस सहयोग मे धन्यवाद किया है'

न्यूज फ्लैश

लाल चंद कटारूचक्क ने 5 जिलों में हाईवे पर फूलों वाले पौधे लगाने सम्बन्धी पायलट प्रोजैक्ट का किया ऐलान

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

वातावरण को साफ-सुथरा और हरा भरा बनाने के लिए कई अहम पहलकदमियों का ऐलान करते हुए वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने आज हाईवे के दोनों तरफ फूलों वाले पौधे लगाने वाले एक पायलट प्रोजैक्ट का ऐलान किया। एक राज्य स्तरीय विशेष कमेटी इस प्रोजैक्ट की निगरानी करेगी और समय-समय इसकी समीक्षा भी करेगी। शुरूआती दौर में, यह प्रोजैक्ट 5 जिलोंः रोपड़ (विशेष तौर पर श्री आनन्दपुर साहिब), शहीद भगत सिंह नगर (शहीद भगत सिंह के पैतृक गाँव खटकड़ कलां के आसपास के क्षेत्र में), संगरूर, पठानकोट और अमृतसर में लागू किया जायेगा। प्रोजैक्ट के अंतर्गत इन जिलों में हाईवे के दाएं - बांएं दोनों तरफ 500 मीटर की दूरी पर 5, 6 और 7 फुट तक की ऊँचाई वाले पौधे लगाए जाएंगे। मंत्री ने पंजाब भवन में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुये कहा कि पौधों के बढ़ने- फुलने और देखभाल को यकीनी बनाने के लिए उचित निगरानी की जायेगी। इसके इलावा, बाड़ लगाने का काम भी किया जायेगा जिससे पौधों को आवारा जानवरों से बचाया जा सके। इस सम्बन्धी और जानकारी देते हुये श्री कटारूचक्क ने बताया कि यह प्रोजैक्ट आसपास को बहुत साफ- सुथरा और हरा-भरा बनाने की तरफ एक सहृदय प्रयास है। मंत्री ने कहा कि यह प्रोजैक्ट मनरेगा के अधीन काम करते लोगों के लिए रोजगार के नये मौके भी यकीनी बनाऐगा। दूसरी अहम पेशकदमी का उद्घाटन करते हुये मंत्री ने बताया कि आज की पीढ़ी को वृक्षों और वातावरण के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए इस विषय पर आधारित भाषण और कविता मुकाबले 23 जुलाई से बटाला में प्रसिद्ध कवि शिव कुमार बटालवी के जन्म दिवस वाले दिन से शुरू करवाए जाएंगे। यह मुकाबले एक महीने तक चलेंगे और चार श्रेणियोंः प्राइमरी (पहली से पाँचवी कक्षा), सेकंडरी (छटी से दसवीं कक्षा), सीनियर सेकंडरी (ग्यारहवी और बारहवीं) और कालेज स्तर पर करवाए जाएंगे।

शहीदों की स्मारकों और स्मारकों पर विज्ञापन पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

दिव्य दिल्ली : करुणित रंधावा (पठानकोट)

कमांडर बलजिंदर विर्क (सेवानिवृत्त), जिला रक्षा सेवा कल्याण अधिकारी गुरदासपुर ने बताया कि देश की सीमाओं पर शहीद हुए सैनिकों की याद को ताजा रखने के लिए उनके नाम पर सड़कें, द्वार, स्कूल, कॉलेज या मूर्तियाँ जैसे स्मारक बनाए गए हैं। ऐसे स्मारक और स्मारक देश की धरोहर हैं, इसलिए उन पर पोस्टर लगाना न केवल शहीदों का अपमान है, बल्कि कानूनी अपराध भी है। जिला रक्षा सेवा कल्याण अधिकारी ने कहा कि आमतौर पर देखा गया है कि जब भी कोई सत्संग या धार्मिक समारोह आयोजित करता है, निजी स्कूलों में दाखिले शुरू होते हैं या कोई दुकानदार अपने सामान का विज्ञापन करता है, तो इन स्मारकों पर पोस्टर चिपका दिए जाते हैं, जो कि अवैध है। उन्होंने कहा कि जब संबंधित पक्ष से इस बारे में पूछा जाता है, तो वे सारी जिम्मेदारी पोस्टर लगाने वाले मजदूर पर डाल देते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी पोस्टर लगवाता है, उसकी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी है कि वह पोस्टर निर्धारित स्थानों पर ही लगाए। उन्होंने कहा कि पोस्टर लगाने वाले मजदूर को विज्ञापन देने वाली कंपनी द्वारा पहले अच्छी तरह समझा दिया जाना चाहिए कि वे पोस्टर कहाँ लगा सकते हैं और कहाँ नहीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि किसी भी शहीदी स्मारक या स्मारक पर कोई विज्ञापन पोस्टर लगा हुआ पाया गया, तो संबंधित विज्ञापन लगवाने वाले पक्ष के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने समस्त जनता से शहीद स्मारकों और स्मारकों का पूरा सम्मान करने की अपील भी की।

ओरिएंटल कप के तीसरे सीजन की घोषणा, 21 से शुरू होगा टूर्नामेंट

दिव्य दिल्ली : उभरता हुआ स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ओरिएंटल कप के तीसरे सीजन की गुरुवार को आधिकारिक घोषणा की गई। यह घोषणा एरोसिटी स्थित एलॉफ्ट होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई। टूर्नामेंट का आयोजन 21 जुलाई से 29 जुलाई तक दिल्ली के डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में होगा, जिसमें दिल्ली के विभिन्न स्कूलों की 36 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें लड़कों की श्रेणी में 24 और लड़कियों की श्रेणी में 12 टीमें शामिल होंगी। टूर्नामेंट का उद्देश्य स्कूल स्तर पर समावेशी और संगठित फुटबॉल को बढ़ावा देना है। तीन चरणों में होने वाले इस संस्करण में क्वालीफायर राउंड, लीग चरण और फिर फाइनल मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट को टाइटल स्पॉन्सर ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स का समर्थन प्राप्त है, वहीं निविया स्पोर्ट्स फुटबॉल पार्टनर और ओशन बेवरेजेस हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में जुड़े हैं। यह टूर्नामेंट धीरे-धीरे दिल्ली के स्कूल खेल कैलेंडर में एक अहम आयोजन के रूप में उभर रहा है।ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स प्राइवेट लि. के मार्केटिंग कार्यकारी उपाध्यक्ष गिष्णु कार्तिक श्रीधरन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम न केवल बुनियादी ढांचा बल्कि मजबूत समुदाय भी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ओरिएंटल कप को समर्थन देना हमारे लिए गर्व की बात है।

ओबीसी वर्ग की मजबूत आवाज के लिए आगे आया हिमाचल

कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने दी दिल्ली महाअधिवेशन में भागीदारी की अपील

दिव्य दिल्ली : ऊषा जरियाल (ज्वाली)

नेशनल लेवल ओबीसी की कन्वेंशन कर्नाटक में हाल ही में हुई इसके संदर्भ में हिमाचल प्रदेश कृषि एवं पशुपालन मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने ओबीसी संगठन के लोगों सहित जवाली उपमंडल के लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह जवाली में आज शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि हाल ही में नेशनल लेवल ओबीसी की कन्वेंशन कर्नाटक में की गई थी जिसमें लगभग 35 लोगों नेअपनी भागीदारी निभाई जिसमें इस कन्वेंशन में उनको भी अपनी भागीदारी निभाने का अवसर मिलो इस संदर्भ में उन्होंने जवाली विधानसभा क्षेत्र के सभी ओबीसी वर्ग के लोगों को अपनी मांगों को उठाने के लिए तथा ओबीसी वर्ग के आरक्षण की मांगे उठाने के लिए 25 जुलाई को दिल्ली के काल कटोरा गार्डन में आल इंडिया ओबीसी संगठन नें महा अधिवेशन ओबीसी वर्ग के लिए रखा गया है में अपनी भागीदारी निभाऐ उन्होंने कहा की जो ओबीसी संगठन से जुड़े लोग है बह इस कार्यक्रम में जरूर पहुंचे इस अधिबेशन में कुछ प्रस्ताब भी पारित किये जाएगे` उन्होंने बताया कि इस अधिवेशन में राहुल गांधी ओबीसी वर्ग के लोगों को संबोधित करेंगे तथा उनकी सभी मांगों को सुनेंगे उन्होंने कहा की राहुल गाँधी नें कहा की देश की जनगणना जाती आधार पर होनी चाहिए तथा जिसकी जितनी आबादी होंगी उसे उतना हक मिले उन्होने कहा की राहुल गाँधी सभी ओबीसी बर्ग को वैसे एक साथ चालान चाहते है तथा उनकी हर समस्या को सामान अधिकार के साथ हल करना चाहते हैं' इस बैठक में कृषि ब पशु पालन मंत्री नें ओ बी सी बर्ग के सभी लोगों को ज्यादा से यादा अपनी सहबागीता निभाने का अहबान किया` इस अवसर पर कार्यकारी एसडीम विकास जमवाल,तहसीलदार जवाली विकास टंडन,प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी कंठ चौधरी, चीफ पैटनेर ओबीसी आरसी कैंडल, जनरल सेक्रेटरी डॉ गुलशन, ओबीसी ब्लॉक अध्यक्ष मनोहर लाल,ओबीसी ब्लॉक उपाध्यक्ष,अश्विनी,चमन लाल धीमान,चैन सिंह गुलेरिया, राम सिंह,जीवन प्रधान,अशोक प्रधान, प्यारेलाल, अश्विनी प्रधान, हरनाम सिंह,सुषमा देवी, ज्योति देवी,सेवा देवी निर्मला देवी,अंजना देवी, नीलम, सभी पंचायत के प्रधान ब सभी महिला मंडल प्रधान आदि मौजूद रहे`

अशोक रत्न नूरपुर जिला कांगड़ा में पुलिस अधीक्षक के पद का अतिरिक्त चार्ज लेंगे'

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न नूरपुर को प्रदेश सरकार ने अव जिला पुलिस अधीक्षक काँगड़ा का अतिरिक्त कार्यभार संभालने के आदेश दिए हैं ' मौजूदा जिला कांगड़ा पुलिस अधीक्षक शालनी अग्निहोत्री को सरकार ने केंद्र मे सचिव के पद पर रिलीव किया' भारतीय प्रशासनिक पुलिस अधिकारी अब केंद्र में अपनी सेवाएं सचिव के पद पर देंगी ' उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न जिला पुलिस नूरपुर क्षेत्र में नशा माफिया खनन माफिया भू माफिया शराव माफिया वह बन माफिया की कमर तोड़कर अपराधी गतिविधियों में अंकुश लगाया है ' भारतीय पुलिस प्रशासनिक अधिकारी अशोक रतन का काम करने का तरीका जनहित के साथ चलने वाला है

पर्यावरण संरक्षण जागुरक्ता अभियान

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन नूरपुर

नूरपुर अर्जुन 'सेव अर्थ' फाउंडेशन द्वारा पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता एवं दूर- दराज की पंचायतों में लोगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वर्तमान में भी संस्था नूरपुर खंड के बहुत से स्थानों पर पौधारोपण करवा रही है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर भी संस्था द्वारा गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला में निरमंड की पंचायत बैधा में फाउंडेशन की मास्टर ट्रेनर कविता के द्वारा बीस दिवसीय पाइन नीडल व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाया गया। संस्था की ट्रेनर कविता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्किल आधारित कार्यक्रम आयोजित करवाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है ताकि भविष्य में स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके। इस अवसर पर स्थानीय अधिकारी नरेश कुमार ने प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण-पत्र भी जारी किए

घर में नाबालिक लड़की के साथ व्यक्ति द्वारा की गई छेड़छाड़, मामला दर्ज आरोपी हिरासत में

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

थाना इंदौरा के अंतर्गत एक व्यक्ति द्वारा अपने ही पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए डीएसपी इंदौरा संजीव यादव ने बताया के थाना इंदौरा के अंतर्गत एक गांव में नाबालिक लड़की की मां द्वारा थाना इंदौरा में शिकायत दर्ज करवाई गई के जब उसके परिवार वाले सभी काम के लिए बाहर गए हुए थे तब उसकी नाबालिक लड़की घर पर अकेली थी तथा एक व्यक्ति जो के अजय कुमार उम्र 48 साल घर में अकेली लड़की को देखकर उनके घर में घुस गया तथा लड़की के साथ जबरदस्ती छेड़छाड़ करने लगा जिस पर लड़की के शोर में जाने पर वह व्यक्ति वहां से भाग गया तथा थाना इंदौरा में जब महिला द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई जिसपर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी आशीष पठानिया द्वारा अजय पाल को गिरफ्तार कर लिया गया यहां उसे आज माननीय अदालत इंदौरा में पेश किया गया यहां उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।आरोपी पर बीएनएस की धारा 452,354 तथा (8) पोस्को के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए डी ब्रीफिंग करके, डाकुमैंटरी के माध्यम से जागरूक किया

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

सेना की मिलिट्री स्टेशन ममून के अधिकारियों की ओर से मोंटेसरी कैंब्रिज स्कूल डिफेंस रोड पर ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष डीब्रीफिंग सत्र और मामून मिलिट्री स्टेशन के अधिकारियों की ओर से प्रेरक दायक ,देशभक्ति व प्रेरणा से भरपूर ओपरेशन की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 9वीं से 12वीं कक्षा के लगभग ढेड सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी को राष्ट्रीय सुरक्षा और वीरता के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रेरित और शिक्षित करना था। सेना के अधिकारियों ने स्टुडैंटस व स्टाफ को डीब्रीफिंग का मुख्य आकर्षण मुख्यालय पश्चिमी कमान से प्राप्त एक अत्यधिक जानकारीपूर्ण वीडियो था, जिसने छात्रों को ऑपरेशन सिंदूर की एक सजीव और गहन जानकारी प्रदान की। इस डाकुमेंटरी में सामरिक बारीकियों और सशस्त्र बलों के समर्पण पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया, जिससे स्टुडैंटस में देश भक्ति की लहर छा गई। मिलिट्री स्टेशन के अधिकारियों ने एक प्रभावशाली संबोधन दिया, जिसमें अमूल्य अनुभव और देश के जावांज बहादुरों की रणनीति व कार्य प्रणाली साझा की गई।

संदिग्ध प्रस्थितियों में फंदा लगाने से 19 वर्ष के युवक ने जीवन लीला समाप्त की

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

ज़िला पठानकोट के थाना मामून कैंट पुलिस के अंतर्गत आते गांव बुंगल में संदिग्ध प्रस्थितियों में एक 19 वर्ष के युवक द्वारा घर के अंदर फंखे से फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला खत्म कर लेने का समाचार प्राप्त हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना वीरवार सुबह करीब बारह बजे के आसपास की है । घटना के समय युवक के माता-पिता घर से बाहर कम पर गए हुए थे और उक्त युवक घर में अकेला था। मृतक युवक की पहचान दीपक पूरी पूरी के रूप में हुई है। दीपक अभी पढ़ाई कर रहा था।

राष्ट्रीय भगवा सेना संगठन ने श्री हरिमंदिर साहिब जी पर हमले की धमकी देने वाले खिलाफ कड़ी करवाई की मांग

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

राष्ट्रीय भगवा सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) सौरभ गुप्ता की अध्यक्षता में सेना संगठन ने बैठक की तथा बताया जिन शरारती तत्वों की ओर से पावन श्री हरि मंदिर साहिब जी पर हमला करने धमकी दी जा रही है, ऐसे असामाजिक तत्वों व शरारती लोगों की शीघ्र पहचान करके,उनको गिरफ्तार करके, कडी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकी हमेशा से ही धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने का प्रयास करते रहे हैं , जिसके तहत उक्त शरारती तत्वों की ओर से, हिन्दुओं और सिखों के पंजाब के सबसे बड़े तीर्थ स्थल श्री हरिमंदिर साहिब को बम से उड़ाने की ईमेल के माध्यम से धमकी दी है जिससे दुनिया भर के हिन्दुओं और सिखों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि श्री पावन हरिमंदिर साहिब जी सभी धर्मों के प्रतीक हैं, जिसे हमारे गुरुओं जी ने ,इसके निर्माण के समय चारों दिशाओं से आगमन के चार दरवाजे बनवाए गए थे जो हिन्दू, सिख, मुस्लिम और ईसाई धर्म के प्रतीक हैं। इसलिए इस पवित्र स्थल को बम से उड़ाने की धमकी देना ना सिर्फ बहुत बड़ा अपराध है बल्कि सभी धर्मों को मानने वाले श्रद्धालुओं के दिलों को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है जो कि असहनीय है। उन्होंने कहा कि बेशक पुलिस अपना काम ईमानदारी से कर रही है और आशा है कि पुलिस धमकी देने वाले आतंकी को जल्दी ही गिरफ्तार भी कर लेगी। परन्तु इस पावन आस्था के प्रतीक, पवित्र स्थल को बचाने के लिए श्रद्धालुओं को भी आगे आना होगा।

बुंगल वासियों को लाभपात्र बनाया गया

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से धार ब्लाक के गांव बुंगल में वीरवार को दूसरे दिन भी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन पूर्व सरपंच लाल सिंह के नेतृत्व से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश सिंह बब्बू व भाजपा जिला अध्यक्ष विजय शर्मा रहे।

ब्लॉक प्राइमरी शिक्षा अधिकारी पंकज अरोड़ा ने ब्लॉक नरोट जैमल सिंह के केंद्र प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक की

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा अधिकारी नरोट जैमल सिंह श्री पंकज अरोड़ा ने ब्लॉक नरोट जैमल सिंह के केंद्र प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी स्कूलों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र प्रधानाध्यापकों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि विभाग द्वारा प्रत्येक माह के लिए भेजा गया एजेंडा शिक्षकों के टेबल पर हो और शिक्षक उसी के अनुसार कार्य करवाएँ। कक्षा में मिशन समर्थ के चार्ट प्रदर्शित किए जाएँ, मिशन आराम प्री-प्राइमरी अगस्त में शुरू होने जा रहा है, गूगल फॉर्म भरकर तैयारी की जाए, मध्याह्न भोजन के संदेश प्रतिदिन भेजे जाएँ, जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जाए। सरकार की हिदायतों के अनुसार एसएमसी का गठन तय समय में किया जाए। हर अध्यापक को रोजाना शिक्षक डायरी लिखनी चाहिए, स्कूलों में पड़ी सामग्री बच्चों को पढ़ाने के काम आनी चाहिए, उसे अलमारियों या स्टोर में नहीं रखना चाहिए। छुट्टी लेने से पहले ऑनलाइन आवेदन करना चाहिए, सरकार की हिदायतों के अनुसार एचडीएफसी बैंक में खाते बंद करवाकर सरकार द्वारा दी गई 23 बैंकों की सूची में खाते खुलवाने चाहिए। इस मौके पर क्लर्क नरेश कुमार, सीएचटी पवन कुमार, सीएचटी सरबजीत कौर, सीएचटी अंजू बाला, सीएचटी सृष्टा देवी, बलजिंदर कुमार, बलकार अत्री आदि मौजूद थे।

स्कूल के प्रबंधन के लिए स्कूल प्रबंधन कमेटी का गठन किया

बलवीर कुमार को कमेटी का चेयरमैन मनोनीत किया गया

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

शाहपुर कंडी के सरकारी हाई स्कूल में स्कूल के इंचार्ज सोहन लाल की अध्यक्षता में स्कूल परिसर में बैठक की गई। जिसमें स्कूल स्टाफ के साथ गांव आदर्शनगर व अन्य साथ लगते बार्डो के पंचों ने बढ चढ कर भाग लिया। बैठक में स्कूल के इंचार्ज हैडमास्टर सोहन लाल ने बताया कि स्कूल में हरेक प्रबंधन के लिए सरकार की हिदायत अनुसार , स्कूल प्रबंधन कमेटी को बनाया गया है, जिसमें लिए वर्ष 2025 से वर्ष 2027 तक नव स्कूल प्रबंधन कमेटी के गठन के लिए प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसके तहत बलवीर कुमार को स्कूल प्रबंधन कमेटी का चेयरमैन तथा उनके साथ 15 सदस्यीय प्रबंधन कमेटी बनाई गई है, जिसमें राजेश कुमार को वाइस चेयरमैन , विशेष सदस्य पूर्व एसएमओ डा.

एम आर विरदी, सचिव सोहन लाल स्कूल इंचार्ज, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, कमेटी की सदस्य पंच सविता धाम, राजविंदर कौर, सिमरन देवी, सुनीता, अंजू, मीना कुमारी, रानी देवी, सुदेश कुमारी,मधु बाला, सुनीता देवी व अन्य को सदस्य मनोनीत किया गया है।

टीवी सीरियल 'कहीं तो होगा' में बनी थीं कशिश

आमना शरीफ

अब किस हाल में जी रहीं?

टीवी की फेमस प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने सीरियल से कई चेहरों को घर-घर में पहचान दिलवाई. उनके सीरियल में लॉन्च होने के बाद सितारों को किसी पहचान का मोहताज नहीं रहना पड़ा. वहीं कई एक्टर और एक्ट्रेसेस ऐसे भी रहे जिन्हें लीड रोल मिला और उन्हें आज भी उसी किरदार के लिए याद किया जाता है, जिसे उन्होंने सीरियल में निभाया था. उन टीवी एक्ट्रेस में एक आमना शरीफ का नाम भी आता है जिसे आप 'कहीं तो होगा' (2003) की कशिश के नाम से जानते हैं.

आमना शरीफ को इंडिया के लगभग हर घर में लोग आज भी कशिश के नाम से ही पहचानते हैं. उस किरदार को आमना ने इतनी खूबसूरती से निभाया था और वो सीरियल उनके करियर का सबसे कामयाब और सबसे बड़ा शो बन गया था. 16 जुलाई 1982 को मुंबई में जन्मीं आमना शरीफ ने मुंबई के बांद्रा में के स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की थी. आमना शरीफ ने एक्टिंग में किस सीरियल से डेब्यू किया था, और उनके करियर से जुड़ी कुछ अहम बातें, आइए जानते हैं.

आमना शरीफ का एक्टिंग करियर कैसा रहा ?

मुंबई यूनिवर्सटी से ग्रेजुएशन करने वाली आमना शरीफ जब कॉलेज में थीं तब से ही उन्हें लोग मॉडलिंग करने की सलाह देते थे. उसी दौरान जब वो कॉलेज के ही प्लेज करती थीं तब

उन्हें अलग-अलग ब्रांड्स के विज्ञापन भी ऑफर होते थे. आमना शरीफ सबसे पहले 2002 में रिलीज हुए अभिजीत भट्टाचार्य के म्यूजिक एल्बम 'तेरे बिना' के सुपरहिट गाने 'चलने लगी हैं हवाएं' में बतौर एक्ट्रेस नजर आई थीं. उसी दौरान एकता कपूर अपने शो कहीं तो होगा (2003) की लीड एक्ट्रेस को ढूंढ रही थीं और उनकी तलाश इस गाने से पूरी हुई.

उन्होंने आमना को अपने ऑफिस बुलाया, ऑडिशन लिया और कशिश के रोल के लिए आमना शरीफ को साइन कर लिया गया. ये सीरियल स्टार प्लस के बाकी सुपरहिट सीरियल की लिस्ट में जुड़ गया था. इसके बाद 2012 में आमना ने 'होंगे जुदा नाम हम' में काम किया और ये भी सफल रहा. 2009 में फिल्म आलू चाट से आमना ने बॉलीवुड डेब्यू किया. इसके बाद आमना ने 'आओ विश करें' और 'एक विलेन' जैसी फिल्में कीं.

आजकल क्या कर रही हैं आमना शरीफ ?

अगर शादी की बात करें तो 2013 में आमना ने अपने बॉयफ्रेंड अमित कपूर के साथ शादी कर ली थी जो फिल्म डिस्ट्रिब्यूटर और प्रोड्यूसर हैं. 2015 में आमना और अमित एक बेटे के पैरेंट्स बने. फैमिली को टाइम देने के साथ आमना ने अपने एक्टिंग करियर को भी जारी रखा. 2019 में एकता कपूर का सुपरहिट सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' का सीजन 2 टेलीकास्ट हुआ, जिसमें आमना शरीफ नजर आई थीं. उसके बाद 2022 में आमना की वेब सीरीज 'आधा इश्क' जियोहॉटस्टार पर आई. फिलहाल उनके कोई शो या फिल्म के बारे में जानकारी नहीं है. इंस्टाग्राम पर आमना काफी एक्टिव रहती हैं जहां उन्हें 3 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. आमना शरीफ आज अपना 43वां बर्थडे मना रही हैं, और उम्र के इस पड़ाव पर भी आमना बेहद फिट और खूबसूरत नजर आती हैं.

अक्षय कुमार ने डेढ़ साल तक फी में की थी ये नौकरी, नहीं लिए थे पैसे

अक्षय कुमार की लाइफ हर किसी के लिए एक इंस्पिरेशन, एक मोटिवेशन और एक बड़ा उदाहरण है. अक्षय आज बॉलीवुड में सबसे बड़े मुकाम पर हैं. कभी एक फिल्म में महज कुछ सेकेंड के लिए नजर आए अक्षय आज सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं. बॉलीवुड में आने के बाद उनकी लाइफ बदल गई और वो एक आम आदमी से देशभर में चर्चित नाम बन गए. लेकिन, हिंदी सिनेमा में बतौर एक्टर करियर की शुरुआत करने से पहले अक्षय ने कई तरह के छोटे मोटे काम किए थे.

एक्टर बनने से पहले अक्षय ने मॉडलिंग भी की. मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी दी. कभी शेफ और वेटर के रूप में भी काम किया. वो कभी चपरासी रहे. इनके अलावा अक्षय ने डेढ़ साल तक एक और नौकरी की थी. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अभिनेता ने उसके लिए कोई पैसे नहीं लिए थे. उन्होंने फ्री में ये काम डेढ़ साल तक किया था.

मार्शल आर्ट सीखाते वक्त मिली मॉडलिंग की सलाह

अक्षय कुमार मार्शल आर्ट में शुरू से ही माहिर हैं. उन्होंने अपने शुरुआती दिनों के दौरान बच्चों को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी दी थी. तब अभिनेता को देखकर किसी ने उन्हें मॉडलिंग में ट्राई करने के लिए कहा था. अक्षय भी मॉडल बनने के ख्वाब देखने लगे. लेकिन, उन्हें पहले अच्छे खासे पोर्टफोलियो की जरूरत थी.

फोटोग्राफर के यहां डेढ़ साल तक फ्री में किया काम

अक्षय कुमार के पास इतने पैसे नहीं थे कि वो एक जबरदस्त और दमदार पोर्टफोलियो बना सके. ऐसे में उन्हें साथ मिला मशहूर फोटोग्राफर जयेश सेठ का. जयेश के साथ बतौर असिस्टेंट अभिनेता ने 18 महीने तक काम किया वो भी फ्री में. उन्होंने कोई पैसे नहीं लिए थे. हालांकि अपना पोर्टफोलियो बनवा लिया और फिर वो मॉडलिंग के ऑडिशन देने निकल पड़े. इसके बाद उन्हें एक मॉडलिंग प्रोजेक्ट के लिए 21 हजार रुपये मिल गए थे, जिससे अक्षय की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा. लेकिन उनकी किस्मत में तो बॉलीवुड का सुपरस्टार बनाना लिखा था.

1991 में किया था डेब्यू

अक्षय ने 1987 की फिल्म 'आज' में कुछ सेकेंड की छोटी सी भमिका निभाई थी. इसके बाद 1991 में फिल्म 'सौगंध' से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया. हालांकि उन्हें पहचान मिली थी 1992 की फिल्म 'खिलाड़ी' से. जबकि 1994 की पिक्चर 'मोहरा' ने उन्हें बतौर स्टार इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया था.

जब अनन्या पांडे ने खुद को बाथरूम में कर लिया बंद, वजह है ये दिग्गज एक्ट्रेस

80 के दशक में अपना करियर शुरू करने वाले अभिनेता चंकी पांडे बॉलीवुड में आज भी एक्टिव हैं. वो कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. उनकी राह पर चलते हुए उनके बेटी अनन्या पांडे भी एक्ट्रेस बन चुकी हैं. अनन्या बॉलीवुड में 6 साल से एक्टिव हैं और अब तक कई फिल्मों में दिखाई दी हैं. इनमें से एक फिल्म ऐसी रही है, जिसका ऑफर मिलने के बाद अभिनेत्री ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था.IMDb की एक रिपोर्ट के मुताबिक अनन्या पांडे की पसंदीदा अभिनेत्रियों में दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं. ऐसे में जब उन्हें दीपिका के साथ फिल्म 'गहराइयां' ऑफर हुई तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा था. अपनी फेवरेट एक्ट्रेस के साथ काम करने को लेकर वो बहुत ज्यादा खुश थीं और उन्होंने खुद को बाथरूम में लॉक कर लिया था.

20 मिनट तक बाथरूम में बंद रहीं अनन्या

अनन्या और दीपिका 'गहराइयां' में साथ में नजर आई थीं. इसका हिस्सा अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी भी थे. 2022 में ओटीटी पर रिलीज हुई इस पिक्चर का डायरेक्शन शकुन बत्रा ने किया था. अनन्या ने अपने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वो दीपिका और शकुन दोनों के ही साथ काम करना चाहती थीं.

अनन्या का ये ख्वाब एक ही फिल्म के जरिए पूरा हो गया था. अनन्या ने इस पिक्चर के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कहा था कि जब शकुन ने उन्हें कॉल करके फिल्म ऑफर की थी, इसके बाद वो बाथरूम में चली गई थीं. एक्ट्रेस ने खुद को 20 मिनट तक बाथरूम में बंद कर लिया था. क्योंकि एक्ट्रेस यकीन नहीं कर पा रही थी कि उन्हें शकुन और दीपिका के साथ काम करने का मौका मिल रहा है.

अनन्या पांडे का वर्कफ्रंट

अनन्या पांडे ने साल 2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. 6 साल के करियर में एक्ट्रेस 'पति पत्नी और वो', 'गहराइयां', 'लाइगर', 'ड्रीम गर्ल 2', 'केसरी चैप्टर 2', 'कॉल मी बे' जैसी फिल्मों में नजर आई हैं. हालांकि एक्ट्रेस को अब भी बड़ी पहचान की तलाश है. अब एक्ट्रेस कार्तिक आर्यन के साथ 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी. ये पिक्चर फरवरी 2026 में रिलीज होगी.

अर्चना पूरन सिंह के बेटे आर्यमन सेठी ने किया रिश्ते का ऐलान, कौन हैं

योगिता बिहानी

करण कुंद्रा से भी जुड़ चुका है नाम

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की मशहूर एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी के बेटे आर्यमन सेठी ने आखिरकार अपने प्यार का खुल्लम-खुल्ला इजहार कर दिया है. उन्होंने हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड, एक्ट्रेस-मॉडल योगिता बिहानी को दुनिया से मिलवाया और ये खबर आते ही फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है. आर्यमन ने अपने व्लॉग के जरिए इस बात का खुलासा किया है और उनके इस खुलासे से खुद योगिता भी हैरान रह गईं.हाल ही में आर्यमन सेठी ने एक व्लॉग शेयर किया, जिसमें वो हैदराबाद गए थे. यहां योगिता अपनी किसी फिल्म की शूटिंग कर रही थीं. योगिता को पता था कि आर्यमन आने वाले हैं, लेकिन वह एक दिन पहले ही पहुंचकर उन्हें सरप्राइज देना चाहते थे. होटल की लॉबी में जब योगिता लिफ्ट से बाहर निकलीं, तो आर्यमन को फूलों का गुलदस्ता लिए खड़ा देखकर वो हैरान रह गईं. दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया और फिर कैमरे के सामने बैठकर अपने रिश्ते की बात खुलकर बताई. इस वीडियो में दोनों को फिल्म देखते, शॉपिंग करते और डिनर डेट पर जाते हुए भी दिखाया गया, जिससे उनकी केमिस्ट्री साफ नजर आई.

योगिता बिहानी का 'सरप्राइज' रिएक्शन

एचटी सिटी से बात करते हुए योगिता ने इस अचानक हुए खुलासे पर अपनी खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा, हां, हम डेट कर रहे हैं. मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इतनी जल्दी सबके सामने आ जाएगा. ये मेरे लिए भी एक सरप्राइज था, क्योंकि आर्यमन एक दिन पहले ही मेरे सामने आ आ गए थे और तो और, मुझे ये भी नहीं पता था कि वह हमारे रिश्ते का ऐलान करने वाले हैं. योगिता ने बताया कि वे अभी रिश्ते की शुरुआती स्टेज में हैं और इस फेज को साथ में एन्जॉय करना चाहते हैं.

कौन हैं योगिता बिहानी ? करण कुंद्रा से भी जुड़ा था नाम

योगिता बिहानी का नाम कई सालों से इंडस्ट्री में है. 'द केरला स्टोरी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं योगिता ने ऋतिक रोशन के साथ 'विक्रम वेधा' (2022) और अनिल कपूर के साथ 'च 1ह्यच' (2020) में भी काम किया है. लेकिन, कम ही लोग जानते हैं कि योगिता बिहानी का नाम पहले टीवी के पॉपुलर एक्टर करण कुंद्रा के साथ भी जुड़ चुका है.

एनकाउटंर में 6 नक्सली ढेर

नारायणपुर/एजेंसी
छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाबलों को नक्सलियों की मौजूदगी की खबर मिली। इसके बाद दोपहर को सर्च ऑपरेशन की शुरूआत हुई। अब तक मुठभेड़ स्थल से छह माओवादियों के शव, एके-47/एसएलआर राइफलें, अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और रोजमर्रा की चीजें बरामद की गई हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि अभियान अभी भी जारी है।

गोयल ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निमार्ता बनने का आह्वान किया

नई दिल्ली/एजेंसीकेंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नोएडा स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल में भारत के अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पीयूष गोयल ने युवाओं से भारत के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया और कहा कि कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प के साथ, हम हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं और अपने राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक ले जाएगी। उन्होंने विस्तार से बताया कि पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। गोयल ने कहा कि यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है, जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाएं।

ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को गिरफ्तार किया

सूत्रों ने बताया कि ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यह कार्रवाई की

रायपुर/एजेंसी
छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हिरासत में ले लिया है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यह कार्रवाई की है। ईडी ने भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य के ठिकानों पर आज सुबह से छापेमारी शुरू की थी। बताया जा रहा है कि चैतन्य को रायपुर कार्यालय ले जाया गया है। जैसे ही भूपेश बघेल के समर्थकों को चैतन्य के हिरासत में लेने की खबर मिली, वहां नारेबाजी शुरू हो गई है। भूपेश बघेल के पूर्व मीडिया सलाहकार विनोद वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि इससे पहले जब ईडी ने दबिश दी थी उस दिन भूपेश बघेल का जन्मदिन था और आज जब टीम ने दबिश दी है, चैतन्य बघेल का जन्मदिन है। चैतन्य को आज ईडी हिरासत में लेकर गई है। सूत्रों का कहना है की उन्हें मनी लांड्रिंग के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है। भूपेश बघेल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरोप लगाया था कि भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

उन्होंने कहा था कि जिसे जो करना है वह कर ले मुझे न्याय पालिका पर भरोसा है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि मुझे तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है परंतु मैं हार नहीं मानूंगा।

कांग्रेस भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी पार्टी: विकास मरकाम
रायपुर में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा कांग्रेस को आदिवासी विरोधी बताते हुए और झूठे प्रचार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए आज पुतला दहन किया गया। यह विरोध बलौदाबाजार जिले के आदिवासी विकास विभाग की छात्रावास हेतु वाटर जग खरीद को लेकर फैलाई गई जानकारी को भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए उसके विरोध में किया गया। भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि ह्लजिसकी जैसी आंख, वैसी उसकी दृष्टि। कांग्रेस भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी पार्टी है, उसे एक ईमानदार और कर्मठ आदिवासी मुख्यमंत्री भी भ्रष्टाचारी नजर आ रहा है। मरकाम ने स्पष्ट किया कि वाटर जग खरीद का प्रस्ताव 23 फरवरी 2025 को ही निरस्त कर दिया गया था, न तो कोई भुगतान हुआ और न ही कोई आपूर्ति। कांग्रेस और उसका आईटी सेल जानबूझकर निरस्त प्रस्ताव का स्क्रीनशॉट शेयर कर जनता को गुमराह कर रहा है। यह सीधे-सीधे आदिवासी समाज की छवि पर हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के चुनाव का विरोध किया और अब एक जनजातीय मुख्यमंत्री को अपमानित करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस द्वारा लगातार आदिवासी समाज को भड़काने, अपमानित करने और उनके हक छीने जाने के विरुद्ध अब जनता जागरूक हो चुकी है। विकास मरकाम ने कहा उनकी दो मुख्य मांगें व संदेश है ,कांग्रेस आदिवासी विरोधी मानसिकता से बाज आए। राहुल गांधी द्वारा फैलाई जा रही झूठी अफवाहों पर माफी मांगे। भाजपा आदिवासी गौरव और पारदर्शिता के साथ कोई समझौता नहीं करेगी।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही का किया बहिष्कार

विपक्षी नेताओं को परेशान करने को केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगाया आरोप

रायपुर/एजेंसी
छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड का मामला विधानसभा में भी गूंजा। कांग्रेस ने शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार किया और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करने तथा उन्हें दबाने के लिए किया जा रहा है। बता दें कि ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। भूपेश बघेल ने कहा कि आज मेरे बेटे को उसके जन्मदिन पर गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले कवासी लखमा को टारगेट किया, देवेंद्र यादव को टारगेट किया और अब वे मेरे बेटे को निशाना बना रहे हैं। हम न डरेंगे, न झुकेंगे। विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने सदन में पूछा कि क्या सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था से काम कर रही है या मोदी जी की व्यवस्था से। महंत ने कहा कि जिस तरह से ईडी छापेमारी कर रही है, वह हम पर दबाव बनाने तथा हमें और हमारे परिवार के सदस्यों को परेशान करने की कोशिश कर रही है। महंत ने कहा, "हम इस कदम का कड़ा विरोध करते हैं और विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करते हैं।" इसके बाद, भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के सदस्य सदन से बाहर चले गए। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने ईडी की कार्रवाई पर बयान देते हुए कहा तमनार में अनैतिक, असंवैधानिक, पेसा कानून के विरोध में स्थगन लाया।अडानी को पेड़ काटने की अनुमति दी इसलिए स्थगन लाए। राज्य सरकार अडानी का सहयोग कर रही है। चैतन्य बघेल का आज जन्मदिन है। ईडी ने सुबह सुबह छापा मारा। विपक्ष में डर पैदा करने के लिए यह कार्रवाई की गई। सरकार का दबाव दिख रहा है, विपक्ष को परेशान किया जा रहा है। कार्रवाई से स्पष्ट है कि भारत में लोकतंत्र नहीं है, इसलिए विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का विरोध किया है। एकमत होकर विपक्ष ये बता रहा है कि हम दबाव में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि जितना केस होगा सह लेंगे, क्योंकि भारत के न्यायालय पर हमें भरोसा है। पूरा विपक्ष भूपेश बघेल और उनके परिवार के साथ खड़ा है।

अमेरिकी ने टीआरएफ को घोषित किया आतंकी संगठन

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए तैय्यबा के संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बयान में कहा कि भारत सरकार टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में नामित करने के अमेरिकी विदेश विभाग के निर्णय का स्वागत करती है। हम इस संबंध में विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नेतृत्व को स्वीकार करते हैं और

उसकी सराहना करते हैं। बयान के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा का एक प्रॉक्सी टीआरएफ 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर जघन्य हमले सहित कई आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में शामिल रहा है। इसके लिए उसने दो बार जिम्मेदारी भी ली है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को खत्म करने में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन के रूप में नामित करना एक सामयिक और महत्वपूर्ण कदम है। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत और अमेरिका के बीच गहरे सहयोग को दर्शाता है। बयान में कहा गया कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

नड्डा की अध्यक्षता में नेशनल एआरटी एवं सरोगेसी बोर्ड की बैठक संपन्न

रायपुर/एजेंसी
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा की अध्यक्षता में नेशनल एआरटी एंड सेरोगेसी एक्ट 2021 के तहत छठवें नेशनल एआरटी ऐंड सेरोगेसी बोर्ड की बैठक हाइब्रिड मोड में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं बोर्ड के सदस्य राज्यों छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, तमिलनाडु एवं तेलगांना के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बोर्ड की बैठक में तीन अहम मुद्दों को सर्व सहमति से पारित किया गया। इसके तहत देश के अंदर या बाहर भ्रूण/युग्मक के अंतरण के

अनुमति हेतु 884 मामलों के प्रकरणों को स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही भारतीय मूल के दंपत्ति (ओसीआई) के 14 मामलों में अधिनियम के तहत सरोगसी हेतु स्वीकृति दी गई।

एक अन्य मामले में एक केंद्र से दूसरे केंद्र में क्रायोप्रिजर्व के सामूहिक हस्तांतरण (केंद्र के बंद होने के कारण) के तीन प्रकरणों में स्वीकृति दी गई। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बैठक में एक अहम सुझाव देते सरोगेसी के लिए अधिनियम में निर्धारित उम्र सीमा पर पुर्नविचार कर एक्ट में संशोधन किये जाने की बात कही, इसके लिये केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की सराहना की गई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एआरटी एवं सेरोगेसी एक्ट को मानवता के विकास के कदम में एक आवश्यक कदम बताया। उन्होंने बैठक में कहा कि जो एजेंडा पारित हुए हैं उससे समाज को लाभ मिलेगा। छत्तीसगढ़ राज्य की तरफ से स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया तथा आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला बैठक में उपस्थित रहे।

नीतीश कैबिनेट में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

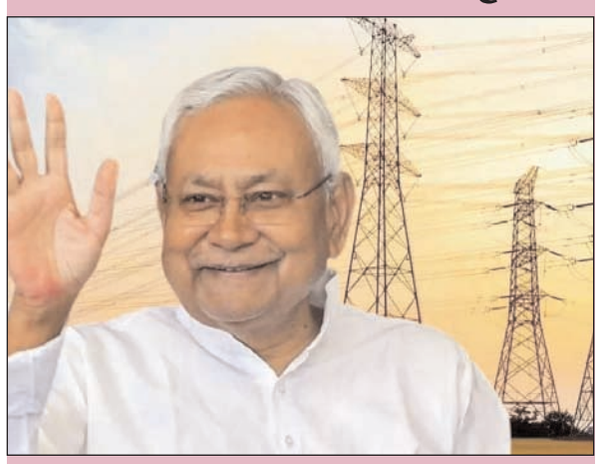

पटना/एजेंसी
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम हुई कैबिनेट की बैठक में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने संबंधी निर्णय पर स्वीकृति दे दी गई ।

इसके लिए बिहार सरकार 3,797 करोड़ की राशि बिजली विभाग को उपलब्ध कराएगी। राज्य में सौर्य ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर 01 अगस्त 2025 से 125 यूनिट प्रति माह खपत तक शत-प्रतिशत अनुदान देने संबंधी निर्णय पर कैबिनेट ने आज मुहर लगा दी है कैबिनट ने मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना विस्तारीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त 3,797.00 करोड़ (तीन हजार सात सौ सन्तानवे करोड़) रुपए बिहार स्टेट पावर (हो.) कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी है। साथ ही राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौ ऊर्जा संयत्र अधिष्ठापन के लिए कुटिर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयत्र अधिष्ठापन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की । मुख्यमंत्री नीतीश ने की थी घोषणा- मुख्यमंत्री नीतीश ने एक दिन पहले ही अपने एक्स हैंडल पर 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने संबंधी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, "हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 01 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा।

मनी लॉन्ड्रिंग: रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ 24 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने अहलमद से दस्तावेजों से जुड़ी रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 17 जुलाई को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें वाड्रा और

10 अन्य लोगों के नाम हैं। उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लांड्रिंग के मामले में जब्त किया है। इस मामले की शुरूआत 2008 में हुई थी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र 7.50 करोड़ रुपये में खरीदी थी। वाड्रा इस कंपनी में डायरेक्टर थे। यह जमीन ओंकारेश्वर प्रोपर्टीज से खरीदी गई थी।

लालू यादव की याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली/एजेंसी
सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव की लैंड फॉर जॉब मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। लालू यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। लालू यादव ने लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की ओर से दायर एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने की मांग की थी। लालू यादव की ओर से कहा गया था कि 2004 से 2009 के बीच कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने के बाद 2020 में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की गई, यह एक तरह से प्रताड़ित करना है। लालू यादव की ओर से कहा गया था कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 19 के पहले धारा 17ए के तहत जरुरी अनुमति लेनी होती है।

सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने का हो रहा प्रयास : योगी

वाराणसी/एजेंसी
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है।

भारत की सनातन परंपरा का आधार है जनजातीय समाज
मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब भगवान राम वनवास में थे और माता सीता का अपहरण हुआ, तब उनके पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी। उस समय जनजातीय समाज ने उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। इसी तरह, महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। छत्रपति शिवाजी ने भी वनवासी समाज के सहयोग से हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की।

राष्ट्रीय आंदोलन के उत्प्रेरक हैं भगवान बिरसा मुंडा
मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हमने अक्सर देश की वर्तमान स्वतंत्रता को ही राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में देखा, लेकिन जनजातीय समाज ने हर युग में सनातन धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया। बिरसा मुंडा ने अल्पायु में धरती माता और गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणा देता है।

समाज में विभेद पैदा करने वालों पर सीएम ने बोला हमला
मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

मप्र में प्राथमिक शिक्षकों की 13,089 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू

भोपाल/एजेंसी
प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षकों के 13 हजार 89 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए इच्छुक उम्मीदवार आज (18 जुलाई) से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया एक अगस्त तक चलेगी। इस भर्ती प्रक्रिया में बीएड डिग्री धारियों को पात्र नहीं माना गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षकों के 10 हजार 150 पद और जन जातीय कार्य विभाग में दो हजार 939 पदों पर भर्ती होगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397